हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 234 बेमेतरा, शनिवार 18 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

गिर गया महिला आरक्षण बिल विपक्ष में पड़े 230 वोट, नहीं मिला दो-तिहाई समर्थन

नयी दिल्ली। महिलाओं को विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने और संसद की सीटें बढ़ाने संबंधी 131वां संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को लोकसभा में खारिज हो गया। जिसके बाद अन्य दो बिलों को सरकार ने वापस ले लिए। बिल के पक्ष में 298 सदस्यों ने वोट किया, जबकि 230 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया। कुल 528 सदस्यों ने वोटिंग में हिस्सा लिया। संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत यानी 352 वोट नहीं मिल सके, जिसके कारण बिल गिर गया। प्रस्तावित संशोधन के तहत 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन के बाद लोकसभा की सीटों को मौजूदा 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने का प्राविधान था। इसी तरह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ाई जानी थीं, ताकि 2029 के चुनावों से पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। विपक्षी दलों के तीखे विरोध के बीच सरकार बिल को पास कराने में नाकाम रही। इससे पहले, महिला आरक्षण विधेयक को लेकर लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली. एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी दलों से इस बिल का समर्थन करने की अपील की, तो वहीं विपक्ष ने इसे लेकर गंभीर आपत्तियां उठाई केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस सदन में 543 सांसद बैठते है. किसी के संसदीय क्षेत्र में मतदाता की संख्या 49 लाख तो किसी के यहां 60 हज़ार है. कई सीटें इतनी बड़ी हो गई हैं कि सांसद उनसे मिल भी नहीं पाता है. मतदाताओं की अपेक्षा होती है, वो सांसद से मिलना चाहता है.उन्होंने कहा कि क्या जो लोग विरोध कर रहे हैं, वो मुझे समझा सकता है कि जिनके यहां 49 लाख मतदाता हो, वो अपने ज़िम्मेदारी का निर्वाहन कैसे करता होगा ? इसी को ध्यान में रखते हुए संविधान में समय समय पर परिसीमन का प्रावधान है. इससे पहले, लोकसभा में बोलते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस बिल को छलावा करार दिया और कहा कि यह बिल यहीं गिर जाएगा.उन्होंने दावा किया कि यह वास्तव में महिलाओं के हित में लाया गया विधेयक नहीं है. राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा कि 2023 में जो महिला आरक्षण बिल पास हुआ था, उसी समय सत्ता पक्ष के सहयोगियों ने संकेत दिया था कि इसे लागू करने में लंबा समय लग सकता है. उनके मुताबिक, मौजूदा प्रस्ताव के जरिए असल मुद्दे से ध्यान हटाया जा रहा है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस बिल के बहाने भारत के चुनावी नक्शे (इलेक्टोरल मैप) को बदलने की कोशिश की जा रही है. राहुल गांधी का कहना था कि यह केवल महिला आरक्षण का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक गणित छिपा हुआ है, जिसे जनता के सामने लाना जरूरी है. जबकि, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने ने महिला आरक्षण विधेयक पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए साफकहा कि उनकी पार्टी महिलाओं को आरक्षण देने के खिलाफ नहीं है, लेकिन जिस तरीके से इस बिल को लागू करने की कोशिश की जा रही थी। , वह स्वीकार्य नहीं है. उन्होंने कहा कि पुरानी जनगणना के आधार पर परिसीमन करके महिला आरक्षण लागू करना गलत है, खासकर तब जब इसमें ओबीसी वर्ग को शामिल नहीं किया गया.

मायावती का कांग्रेस और सपा पर हमला, आरक्षण को लेकर साधा निशाना

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल एससी, एसटी और ओबीसी समाज के संवैधानिक अधिकारों के मुद्दे पर लगातार अपना रुख बदलते रहे हैं और अब महिला आरक्षण के नाम पर भी राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। मायावती ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में इन वर्गों के आरक्षण को पूरी तरह लागू करने की दिशा में कभी ठोस पहल नहीं की।

ट्रंप ने दिल्ली के उपराज्यपाल बनने पर तरनजीत संधू को दी बधाई

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिल्ली के उपराज्यपाल का पदभार संभालने पर तरनजीत संधू को बधाई दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, 'दिल्ली के नए उपराज्यपाल बनने पर तरनजीत संधू को बधाई।' उन्होंने कहा कि एक अनुभवी राजनयिक और अमेरिका में पूर्व राजदूत के रूप में तरनजीत संधू ने हमेशा अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने के लिए गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। ट्रंप ने कहा, 'दिल्ली की प्रगति का नेतृत्व करने और वैश्विक संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सफलता की कामना करता हूं।'

सोलर के सहारे चल रहे गांवों में पहुंचेगी मुख्य विद्युत लाइन से बिजली

रायपुर। प्रदेश क्षेत्र के वनांचल के गांवों में जहां अब तक सोलर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की व्यवस्था की गई थी, अब शीघ्र ही मुख्य बिजली लाइन (ग्रिड) से जोड़ा जाएगा। इससे इन गांवों को अस्थायी सोलर व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी और नियमित, स्थायी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इसका जायजा लेने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिलासपुर के कोटा वनांचल क्षेत्र के चार गांवों का स्थल निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का आकलन किया तथा आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित बिजली अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के चलते कोटा वनांचल में स्थित सरगोड़, छुइहया, चिचवा डबरी एवं परसापानी गांवों में पहले सोलर प्लांट के जरिए बिजली पहुंचाई गई थी।

ग्रामीण विकास को नई रफ्तार : 2426 किमी सड़क निर्माण का मुख्यमंत्री साय ने किया शिलान्यास

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर स्थित रणजीता स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-04) के अंतर्गत स्वीकृत 774 सड़कों का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया। इन सड़कों की कुल लंबाई 2426.875 किलोमीटर है, जिनके निर्माण पर 2225.44 करोड़ की लागत आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिला मुख्यालय स्थित वशिष्ठ कम्यूनिटी हॉल के जीर्णोद्धार के लिए 80 लाख की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत एक साथ इतनी बड़ी संख्या में सड़कों का भूमिपूजन ग्रामीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इन सड़कों के निर्माण से लगभग 781 बसाहटों को बारहमासी पक्की सड़क सुविधा प्राप्त होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की गई थी, जो उनकी दूरदर्शी सोच का परिणाम है और यह योजना ग्रामीण भारत की जीवनरेखा बन चुकी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में सड़क नेटवर्क के विस्तार में अभूतपूर्व तेजी आई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और पीएम जनमन योजना के माध्यम से राज्य के अधिकांश गांवों को सड़क संपर्क से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारतमाला परियोजना के तहत रायपुर से जशपुर होते हुए धनबाद तक सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिससे जशपुर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने सहकारिता क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि हाल ही में 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का वर्चुअल शुभारंभ किया गया है। जिससे प्रदेश में समितियों की संख्या बढ़कर 2573 हो गई है। ये समितियां किसानों को खाद, बीज और अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं उनके निकट उपलब्ध कराएंगी।

सीएम विष्णुदेव ने 'मोर गांव, मोर पानी, मोर तरिया' महाअभियान अंतर्गत 500 नए तरिया का किया शिलान्यास

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल मोर गांव, मोर पानी, मोर तरिया महाअभियान का जशपुर के रणजीता स्टेडियम में मुख्यमंत्री वष्णुदेव साय ने शुभारंभ किया। अभियान के अंतर्गत नवा तरिया, आय के जरिया के तहत प्रदेश में 500 नए तरिया (तालाब) के निर्माण का भी शिलान्यास किया। इससे जल संचयन, भूजल स्तर में वृद्धि और कृषि कार्यों के लिए सिंचाई सुविधा में सुधार होगा। इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में बड़े स्तर पर कार्य किए जाएंगे।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत इस महाअभियान के तहत प्रदेशभर में 10,000 आजीविका डबरी निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध 15 अप्रैल 2026 तक 13,000 से अधिक डबरी निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। यह उपलब्धि अभियान की गति और प्रभावशीलता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि जल ही जीवन और विकास का आधार है। 'मोर गांव, मोर पानी, मोर तरिया' अभियान के माध्यम से हम गांव-गांव में जल संरक्षण को जन आंदोलन बना रहे हैं। इससे न केवल पानी की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आजीविका डबरी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन, बत्तख पालन, सिंघाड़ा उत्पादन, सब्जी उत्पादन और वृक्षारोपण जैसे विविध आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे लोगों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे। ग्रामीण स्तर पर इस योजना के प्रचार-प्रसार के लिए दीवार लेखन, बैनर, ग्राम सभाओं में जागरूकता अभियान तथा क्यूआर कोड के माध्यम से विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भी व्यापक प्रचार किया जा रहा है। महिला सशक्ति करण को बढ़ावा देते हुए आजीविका डबरी से जुड़े कार्यों में स्व सहायता समूह की महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

परिसीमन के बाद राज्यों की लोकसभा सीटों में कमी होने की विपक्षी दलों ने जतायी आशंका

नयी दिल्ली। लोक सभा में विपक्षी दलों ने परिसीमन विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि विधेयक के इस रूप में पारित होने से दक्षिण और छोटे राज्यों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कम होगा और उनके हक़ मारे जाने की आशंका बनी रहेगी। सदन में परिसीमन विधेयक 2026, संविधान (137वां संशोधन) विधेयक 2026 और संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक 2026 पर अधूरी रही चर्चा की शुरुआत करते हुए द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोझी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने परिसीमन के बाद राज्यों की बढ़ने वाली लोक सभा की सीटें बढ़ाने का जो सूत्र बताया है उसे भविष्य में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के मामले में सरकार अपना एजेंडा लागू कर सकती है। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट को नकारा भी जा सकता है। ऐसी स्थिति में न्याय कहां मिलेगा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की द्रमुक सरकार सहकारी संघवाद मानती है। द्रमुक सरकार ने महिलाओं को विधायिका में आरक्षण देने के लिए केन्द्र को पत्र लिखा था, द्रमुक की महिला मोर्चा ने इसके लिए दिल्ली में रैली की थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भारतीय महिलाओं को शील्ड के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि आंकड़े दर्शाते हैं कि इस सरकार ने सदन में किये गये 80 से 90 प्रतिशत आश्वासनों को पूरा नहीं किया है। सरकार सहकारी संघवाद की भावना का पालन नहीं कर रही है। उन्होंने महिलाओं को आरक्षण देने का विधेयक तुरंत लागू करने की मांग की। उन्होंने परिसीमन विधेयक को ऐसी संसदीय समिति को भेजने की मांग की जो सभी दलों के सदस्यों से सलाह-मशविरा करके अपनी रिपोर्ट दे।

धर्म स्वतंत्रता विधेयक 2026 पर विवाद उच्च न्यायालय में दी गयी चुनौती

बिलासपुर। धर्म स्वतंत्रता विधेयक 2026 को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह मामला न्यायालय तक पहुंच गया है। क्रिश्चियन वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने इस कानून के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि इस कानून का उद्देश्य जबरन धर्म परिवर्तन को रोकना होना चाहिए, लेकिन इसकी भाषा और कुछ प्रावधान भेदभावपूर्ण नजर आते हैं। पॉल ने विशेष रूप से यह आपत्ति जताई है कि अधिनियम में 'प्रिस्ट, फादर' और 'मौलवी' जैसे शब्दों का उल्लेख किया गया है, जबकि 'पंडित' या अन्य धर्मगुरुओं का जिक्र नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे यह कानून केवल ईसाई और मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाता हुआ प्रतीत होता है, जो संविधान के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है।

याचिका में कहा गया है कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन करता है। क्योंकि राज्य किसी एक वर्ग या धर्म को लक्षित कर कानून नहीं बना सकता। इसके साथ ही अनुच्छेद 15 का हवाला देते हुए कहा गया है कि धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव प्रतिबंधित है, इसलिए यह अधिनियम असंवैधानिक है। याचिकाकर्ता पॉल का कहना है कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, इसलिए किसी भी कानून की भाषा निष्पक्ष होनी चाहिए और वह सभी धर्मों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। उन्होंने कोर्ट से इस अधिनियम को 'टारगेटेड लेजिस्लेशन' बताते हुए निरस्त करने की मांग की है।

ट्रक-माजदा टक्कर में 2 मजदूरों की मौत, 4 गंभीर

कोंडागांव। कोंडागांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर एक ट्रक और माजदा वाहन के बीच हुई भीषण टक्कर में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा फरसगांव थाना क्षेत्र में उस समय हुआ, जब मजदूरों से भरी माजदा वाहन की ट्रक से आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि माजदा वाहन में सवार छह से अधिक मजदूर गाड़ी में ही फंस गए। घटना में दो मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि चार घायल मजदूरों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसगांव भेजा गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत कर वाहन में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला।

फरसगांव पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पीएम मोदी, खरगे ने हरिवंश को तीसरी बार राज्यसभा का उपसभापति बनने पर दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य दलों के नेताओं ने सदन में लगातार तीसरी बार उपसभापति चुने जाने पर हरिवंश को बधाई दी। मोदी ने कहा, राज्य सभा के उपसभापति के रूप में लगातार तीसरी बार निर्वाचित होना, इस सदन का आपके प्रति गहरे विश्वास और बीते समय में सबको साथ लेकर चलने के आपके प्रयास पर एक तरह से सदन की मुहर है। खरगे ने उम्मीद जताई कि उपसभापति विपक्ष के सदस्यों का विशेष ध्यान रखेंगे, उन्हें उचित महत्व देंगे। उन्होंने तीसरे कार्यकाल के लिए समूचे विपक्ष और पूरे सदन की तरफसे उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री से पहले अपनी बात रखते हुए उन्होंने लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद रिक्त होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक भावना के विपरीत लोकसभा में 2019 से उपाध्यक्ष का पद खाली है। अच्छा होता कि लोकसभा में भी राज्यसभा की तरह उपाध्यक्ष का चयन हो जाता।

खरगे ने कहा, आप लोकतंत्र की बात करते हैं लेकिन सात साल से उपाध्यक्ष उस सदन में नहीं है, तो इसे क्या कहेंगे?

24 घंटों में 380 से अधिक ठिकानों को बनाया निशाना

इज़रायल रक्षा बलों ने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर हवाई हमले किए

यरूशलेम। इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में लेबनानी शिया आंदोलन हिज़्बुल्लाह के 380 से अधिक ठिकानों पर हमले किए। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, पिछले 24 घंटों में, आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान में सक्रिय जमीनी बलों के अभियानों का समर्थन करने के लिए हिज़्बुल्लाह आतंकवादी संगठन के 380 से अधिक ठिकानों पर हमले किए।

आईडीएफ ने कहा कि हमलों में हिज़्बुल्लाह के सदस्यों, मुख्यालयों और लॉन्चरों को निशाना बनाया गया।

इजरायल और लेबनान 10 दिन के संघर्ष विराम पर सहमत

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की है कि इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिनों का संघर्ष विराम समझौता हो गया है। यह संघर्ष विराम भारतीय समयानुसार शुक्रवार को सुबह 3.30 बजे से लागू हो गया। यह समझौता वाशिंगटन में हुई मध्यस्थता के बाद हुआ है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करना है। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता से हुआ, जिन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ आउन के साथ बातचीत की थी।

सरकार जो कर रही है वह राष्ट्रविरोधी कृत्य से कम नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि, हम सभी ने महिलाओं से बहुत कुछ सीखा है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि यह बिल 2023 में पास हो चुका है, पहला सच ये है कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, इसका महिलाओं के सशक्तिकरण से कोई लेना-देना नहीं है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि परिसीमन से महिला सशक्तिकरण नहीं हो सकता है। राहुल गांधी ने इस दौरान कहा कि पुराना बिल लाइए, हम उसे पास कराएंगे। चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि सरकार देश के ओबीसी भाई-बहनों को ताकत नहीं देना चाहती है, ये एससी-एसटी के अधिकार छीनने की कोशिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यह विधेयक देश के चुनावी मानचित्र को बदलने का एक प्रयास है; इसके लिए भारत की महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है और उनकी आड़ ली जा रही है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि अगले 15 वर्षों तक जाति जनगणना का प्रतिनिधित्व से कोई संबंध न रहे। विपक्ष के नेता ने आगे कहा कि भाजपा को अपनी शक्ति में गिरावट का डर सता रहा है, सरकार भारतीय राजनीतिक मानचित्र को बदलने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, कल मैं अपनी बहन को कुछ ऐसा करते हुए देख रहा था जो उसने पांच मिनट में हासिल कर लिया।

किसान सम्मान निधि समस्या को लेकर पुछा सवाल,तो पत्रकार के ऊपर REO ने कर दी मुक्के से लगातार वार

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

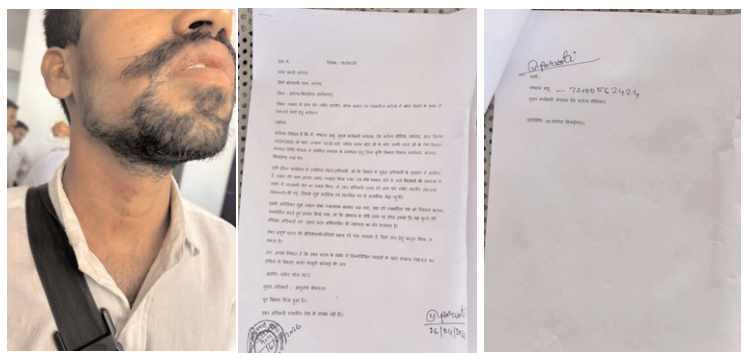

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के कृषि विभाग कार्यालय से एक चौंकाने वाली विडियो इन दिनों खुब वायरल हो रहा हैं।जिसमें स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकार को ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (ऋश्चह्र)प्रवीण पटेल द्वारा मुक्के से लगातार उनसे चेहरे पर वार कर रहे है।वही कार्यलय मे उपस्थित कर्मचारियों ने बीच-बचाव करना भी जरूरी नहीं समझा और मूकदर्शक होकर देखते रहे।

पीड़ित पत्रकार पोषराम साहू की कथ्य -पत्रकार से इस विषय में पुछा गया, तो उन्होने बताया की वकील जनक बरेठ अपनी माता जी के किसान सम्मान निधि की राशि से जुड़ी समस्या को लेकर आवेदन देने कृषि कार्यालय पहुंचे थे। जिसमे हम दोनो ने जिला कृषि अधिकारी से भी मुलाकात किए उसके बाद जिला कृषि अधिकारी ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण पटेल के पास जाने को कहा, बात मानकर हम दोनो उसके पास गए सरलता से बैठे रहे,फिर क्या गामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण पटेल अचानक आग बगुला हो गया, जिससे मेरे ऊपर लगातार मुक्के से वार कर दिए,उसी बीच जिला कृषि अधिकारी भी आए पर उसने स्थिति को शांत कराने के बजाय, डराते हुए कहा इन लोगों को जाने मत देना इनको पुलिस के हवाले करेंगे,जिसके बाद हम दोनों को घंटे बैठाए रखे,ऐसे तैसे कर वहां निकले तब जाके सीटी कोतवाली थाना सारंगढ़ को आवेदन दिया।

पत्रकार के साथ रहे, जनक बरेठ का कथ्य-जनक बरेठ ने बताया की मै अपने मां की किसान सम्मान निधि समस्या को लेकर पत्रकार पोषराम साहू दोनो जने कृषि विभाग कार्यालय पहुंचे थे,जिसमे सब सही चल रहा था,पर अचानक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी गुस्से से उठे और पत्रकार के ऊपर लगातार वार कर दी,मैने बीच बचाव करना चाहा पर मेरा एक भी नहीं सुना। जनक बरेठ ने यह भी बताया की हम दोनों को घंटो भर बंधक बनाकर बैठाए रखे।

आसपास व क्षेत्रीय लोगों ने बताया -क्षेत्रीय व आसपास के रहने वाले लोगों ने बताया कि पत्रकार पोषराम साहू भी अन्य पत्रकारों की तरह निष्पक्ष पत्रकार है,जो हमेशा जन मुद्दो को उठाते है,अधिकारियों से चर्चा कर पात्र व्यक्तियों को उनके हक दिलाने का कार्य करता हैं,और ऐसे पत्रकार पर हाथ उठाना यह लोकतंत्र का अवहेलना है,पत्रकार के ऊपर इस तरह का मारपीट करना अधिकारी को शोभा नहीं देता।

इस मामले को लेकर पत्रकारो में भारी आक्रोश -स्थानीय व जिले के सभी पत्रकार इस घटना को लेकर नाखुश हैं,कह रहे है किसी भी पत्रकार के ऊपर मारपीट करना सही नही है,इस तरह के अधिकारी के ऊपर कडी कार्यवाही होना चाहिए ताकि देश के चौथे स्तंभ अपनी खबर निष्पक्षता के साथ दिखा सके,और भ्रष्ट अधिकारी जो जनता का हक मारने का कार्य करते हैं,उसकी खबर को उजागर कर सके।

खुले सोख्ता गड्ढे में गिरने से मासूम की मौत, पंचायत की लापरवाही पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के उसूर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत गलगम के वेंगुपारा गांव में शुक्रवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया, जहां खुले सोख्ता गड्ढे में गिरने से डेढ़ वर्षीय मासूम बच्ची रोजा अवलम की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है, वहीं ग्रामीणों में पंचायत के प्रति गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार गांव में हैंडपंप के पास बना सोख्ता गड्ढा लंबे समय से खुला पड़ा था। खेलते-खेलते मासूम बच्ची अनजाने में गड्ढे में गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खुले गड्ढे को ढंकने या सुरक्षा के इंतजाम करने को लेकर कई बार पंचायत को अवगत कराया गया था, लेकिन जिम्मेदारों ने इसे नजरअंदाज किया। ग्रामीणों के मुताबिक, यदि समय रहते गड्ढे को बंद किया गया होता तो यह हादसा टल सकता था।घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के बाद भी अब तक किसी प्रकार की ठोस सहायता नहीं मिली है। जनपद पंचायत उसूर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पी.के. चंद्राकर ने बताया कि ग्राम पंचायत गलगम में संबंधित कार्य प्रगति पर है तथा पीड़ित परिवार को प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।यह घटना एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुरक्षा व्यवस्थाओं की अनदेखी को उजागर करती है, जहां छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन जाती है।

कांकेर में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, जूस-आइसक्रीम सेंटर तक पहुंची टीम, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई तय, 16 नमूने जांच के लिए भेजे

कांकेर/मूक पत्रिका

उत्तर बस्तर कांकेर 17 अप्रैल 2026 कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने जिले में ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कोल्डिंग सेंटर, किराना दुकान, बर्फ फैक्ट्री, आइसक्रीम निर्माण इकाइयों, ठेला-गुमटी में आइस लॉली, आइस कैंडी व गन्ना जूस कॉर्नर की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, साफ पेयजल का उपयोग करने और खाद्य पदार्थों के वितरण में मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संचालकों को हैंड ग्लव्स, हेड कवर और डस्टबिन के उपयोग के लिए भी सख्ती से कहा गया। अभिहित अधिकारी सुमित देवांगन ने बताया कि चारामा, कांकेर और पखांजूर (कोयलीबेड़ा) विकासखंडों में विभिन्न प्रतिष्ठानों से वनीला आइसक्रीम, आइस कैंडी, आइस लॉली, बर्फ, एनर्जी ड्रिंक, थम्स-अप आदि के कुल 16 नमूने लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए हैं। मानकों में कमी पाए जाने पर संबंधित संचालकों को सुधार नोटिस जारी किया गया है। वहीं गुणवत्ता में खामी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा यह निरीक्षण और नमूना संग्रहण की कार्रवाई पूरे ग्रीष्मकाल में लगातार जारी रहेगी।

सीबीएसई 10 वीं में चमकी आव्या सिंह, 99 अंकों संग जिले का बढ़ाया मान

रायगढ़/मूक पत्रिका

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टक्चस्श्व) की 10वीं परीक्षा 2026 के घोषित परिणामों में ओपी जिंदल स्कूल, उर्जानगर की होनहार छात्रा आव्या सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन कर दिया है।आव्या ने हर विषय में उत्कृष्ट अंक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उन्होंने अंग्रेजी में 92, हिंदी में 96, गणित में 99, विज्ञान में 98 और सामाजिक विज्ञान में 98 अंक हासिल किए। खास बात यह रही कि अतिरिक्त विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उन्होंने शत-प्रतिशत 100 अंक प्राप्त कर एक नई मिसाल पेश की। घरघोड़ा नगर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं सोसायटी प्रबंधक ओमप्रकाश ठाकुर की पुत्री आव्या सिंह की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में गर्व का माहौल है। उन्होंने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण कर यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से हर लक्ष्य पाया जा सकता है।आव्या की सफलता से परिवार, विद्यालय और मित्रों में खुशी की लहर दौड़ गई है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने उनकी लगन और समर्पण की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं, उनके पिता ने इस सफलता का श्रेय आव्या की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

10वीं बोर्ड में 91 अंक लाकर शुभ अग्रवाल ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, चारों ओर गूंज रही सफलता की गूंज!

रायगढ़/मूक पत्रिका

सपनों को सच करने का जज्बा और मेहनत की मिसाल बनकर उभरे वैदिक इंटरनेशनल स्कूल, पटेल पाली रायगढ़ के प्रतिभाशाली छात्र शुभ अग्रवाल ने ष्टक्चस्श्व 10वीं बोर्ड परीक्षा में 91त्न अंक हासिल कर शानदार सफलता दर्ज की है। इस उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित कर दिया है और हर तरफ खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। शुभ अग्रवाल, प्रतिष्ठित व्यवसायी संजय अग्रवाल (संजय ज्वेलर्स, सरिया) के सुपुत्र एवं माता डिम्पल अग्रवाल के लाडले हैं। अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के दम पर शुभ ने यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों तो सफलता खुद कदम चूमती है।इस गौरवशाली पल पर पिता संजय अग्रवाल, माता डिम्पल अग्रवाल, बड़े भाई हर्ष अग्रवाल और पारस अग्रवाल सहित पूरे परिवार ने शुभ को गले लगाकर बधाइयों की बारिश कर दी। परिजनों और रिश्तेदारों ने कहा- ÷हमें शुभ पर गर्व है, उसने परिवार के सपनों को नई ऊंचाई दी है। हमें विश्वास है कि वह आगे भी इसी तरह सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।÷शुभ की इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि पूरा क्षेत्र खुशी से झूम उठा है। हर जुबां पर आज एक ही नाम है- शुभ अग्रवाल, जिसने अपने परिश्रम से सफलता की नई इबारत लिख दी।

छाल की बेटी आद्याशा बनीं छत्तीसगढ़ टॉपर, 10वीं बोर्ड में रचा इतिहास

छाल/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के छाल स्थित कोयला क्षेत्र की छात्रा आद्याशा परिदा ने कक्षा 10वीं की सीबीएसई (ष्टक्चस्श्व) बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में टॉप कर इतिहास रच दिया है। डीएवी पब्लिक स्कूल, एसईसीएल (स्श्वष्टरु), छाल की इस होनहार छात्रा ने 500 में से 499 अंक प्राप्त कर 99.8 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। आद्याशा, डीएवी पब्लिक स्कूल, एसईसीएल, गेवरा प्रोजेक्ट कोरबा में भौतिकी की व्याख्याता श्रीमती सोमा परियाल और डीएवी पब्लिक स्कूल, एसईसीएल, छाल में अंग्रेजी के व्याख्याता देवाशीषा परिदा की पुत्री हैं उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 10वीं तक छाल स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में ही प्राप्त की। शुरुआत से ही मेधावी और परिश्रमी रही आद्याशा ने हर कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।बोर्ड परीक्षा के दौरान माता के स्थानांतरण जैसी चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई के प्रति समर्पण बनाए रखा और मानसिक रूप से मजबूत रहकर सफलता हासिल की। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय आद्याशा ने अपने माता-पिता, शिक्षकों, विद्यालय के प्राचार्य के.डी. शर्मा एवं सभी शुभचिंतकों को दिया है।उनकी इस सफलता से विद्यालय, परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। अब आद्याशा का लक्ष्य जेईई (छ्वश्वश्व) परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में प्रवेश प्राप्त करना है।

उनकी यह सफलता दूरस्थ कोयला क्षेत्र के बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है, यह साबित करते हुए कि यह क्षेत्र प्रतिभाओं से भरा हुआ है। पूरे राज्य, विशेषकर छाल क्षेत्र में आद्याशा की इस उपलब्धि पर गर्व किया जा रहा है और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-04) का शुभारंभ

■ जिला पंचायत सभा कक्ष में वर्चुअल कार्य म का हुआ आयोजन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-04) के अंतर्गत 2,225.44 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत 774 सड़कों (कुल लंबाई 2,426.875 किमी) के निर्माण कार्यों के साथ अटल डिजिटल सेवा केंद्रों का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया।जिला पंचायत सभा कक्ष में वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-4) के अंतर्गत 2,225 करोड़ रुपये की लागत से 774 सड़कों का एक साथ भूमिपूजन किया गया है। लगभग 2,427 किलोमीटर लंबी इन सड़कों के निर्माण से 781 बसाहटों को बारहमासी पक्की सड़क सुविधा प्राप्त होगी, जिससे ग्रामीण जनजीवन में व्यापक परिवर्तन आएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. श्रीमती सत्यलता मिरी ने कहा कि आज जशपुर से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सड़क निर्माण कार्यों एवं अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों का शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लगातार आम नागरिकों तक सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत की मजबूत आधारशिला गांवों के विकास से ही संभव है। वर्तमान समय में डिजिटल सेवाओं का महत्व तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र ग्रामीणों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। जिले में कुल 31 अटल डिजिटल सुविधा केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न डिजिटल सेवाओं का लाभ सरलता से प्राप्त होगा।

कांकेर पुलिस और आबकारी विभाग की बड़ी संयुक्त कार्रवाई: शराब दुकान के पास अवैध जमावड़े पर कसा शिकंजा

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /- कांकेर जिले में शांति व्यवस्था और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस प्रशासन ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के कड़े निर्देशन में कांकेर पुलिस और आबकारी विभाग ने पण्डरीपानी स्थित देशी-अंग्रेजी शराब दुकान के समीप संचालित अवैध चखना दुकानों पर अचानक दबिश दी। यह कार्रवाई क्षेत्र में बढ़ रही शिकायतों के बाद की गई है। मुख्य मार्ग पर असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध पार्किंग करने और खुलेआम शराब पीने की वजह से राहगीरों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस गंभीर समस्या को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। थाना सिटी कोतवाली प्रभारी बनसोडे प्रतीक दादासाहेब (भा.पु.से.) के नेतृत्व में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 6 चखना दुकान संचालकों पर आबकारी एक्ट की धारा 36 (सी) के तहत विधिवत कार्रवाई की गई। पकड़े गए आरोपियों में शाहरुख खान, दिनेश प्रधान, कमलेन्द्र श्रीवास्तव, सुनील कुमार खानी, राधेलाल फुटान और गोदावरी बाई शामिल हैं। इस सफल अभियान में उप निरीक्षक मनोरथ जोशी, प्रधान आरक्षक गितेश्वर कुलदीप, महिला प्रधान आरक्षक हितेश्वरी चेलक, आरक्षक शैलेन्द्र चतुर्वेदी और आबकारी विभाग के उप निरीक्षक पुरुषोत्तम सरकार व गोविंद ध्रुव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही जनता से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध घटना की जानकारी पुलिस हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर तुरंत साझा करें।

360.72 लाख की लागत से ग्रामीण विकास को मिली नई गति, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वर्चुअल रूप से जुड़े, जिला पंचायत सभागृह में कार्यक्रम संपन्न

पीएम ग्राम सड़क योजना फेस-04 : बेमेतरा में 3.5 किमी सड़कों का भूमिपूजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेस-04) के अंतर्गत स्वीकृत सड़कों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन बीते शुक्रवार को जिला पंचायत बेमेतरा के सभागृह में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जिले के ग्रामीण अंचलों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर के रणजीता स्टेडियम से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और अपने उद्बोधन के माध्यम से ग्रामीण विकास एवं सड़क निर्माण कार्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ सड़क नेटवर्क से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति तेज होती है और लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं।

3.5 किलोमीटर सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन-कार्यक्रम के दौरान कुल 3.5 किलोमीटर लंबाई की दो सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया, जिनकी कुल स्वीकृत लागत ?360.72 लाख है। हरडुवा से खपरीलोधी तक 2 किलोमीटर सड़क निर्माण हेतु ?221.54 लाख 7 बोड़ से रेंगा तक 1.50 किलोमीटर सड़क निर्माण हेतु ?139.18 लाख 7 इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक पहुंच आसान होगी।

डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदमः सीएससी भवन निर्माण-कार्यक्रम में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत अटल डिजिटल सुविधा केंद्र (ष्टस्ष्ट भवन) निर्माण की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई। विकासखंड साजा के मोहतरा, भटगांव, खाती, भरदालोधी एवं जेवरा सहित 6 ग्राम पंचायत, विकासखंड बेरला के बारगांव, खर्रा एवं सोढ़, विकासखंड बेमेतरा के मऊ एवं खंडसरा 7 इन सभी स्थानों पर प्रत्येक 5 लाख रुपये की स्वीकृति के साथ सीएससी भवनों का निर्माण किया जाएगा। इससे ग्रामीणों को शासकीय सेवाएं, ऑनलाइन सुविधाएं एवं डिजिटल सेवाएं गांव स्तर पर ही उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बेमेतरा दीपेश साहू ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब तेजी से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं विभिन्न योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। साथ ही जिले में सड़कों के निर्माण एवं पेयजल समस्या के समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।वहीं विधायक साजा ईश्वर साहू ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, डिजिटल सुविधा एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं के विस्तार से गांवों में नई संभावनाएं विकसित होंगी और लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा।

ग्रामीण विकास को मिलेगा नया आयाम-कार्यक्रम के अंत में यह कहा गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं अन्य विकास योजनाओं के माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। इससे न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं डिजिटल सेवाओं तक पहुंच भी सुदृढ़ होगी, जिससे समग्र ग्रामीण विकास को नया आयाम मिलेगा।

गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ कार्यक्रम-इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती प्रेमलता पद्माकर, बेमेतरा जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमा जय दिवाकर, साजा जनपद अध्यक्ष जितेंद्र साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने आयोजन को सफल एवं प्रभावशाली बनाया।

कार्यक्रम के पश्चात् हितग्राहियों को बैटरी चलित ट्रायसाइकिल का वितरण-कार्यक्रम के उपरांत समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पात्र हितग्राहियों को बैटरी चलित ट्रायसाइकिल एवं ट्रायसाइकिल प्रदान किए गए। इससे दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनने और दैनिक जीवन में सुगमता प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

हितग्राहियों का विवरण (सहायक उपकरण वितरण)-संतराम, पिता ङ्क रामदीन, निवासी ङ्क सेमरिया तहसील दाढ़ी, जिला बेमेतरा 7 उपकरण ङ्क बैटरी चलित ट्रायसाइकिल 7 दिव्यांगता ङ्क 80त्न बलराम गोयल, पिता ङ्क जगत दास, निवासी ङ्क परसबोड़ तहसील साजा, जिला बेमेतरा 7 उपकरण ङ्क बैटरी चलित ट्रायसाइकिल 7 दिव्यांगता ङ्क 90त्न बसंती साहू, पति ङ्क नरेश साहू, निवासी ङ्क परपोड़ा तहसील बेरला, जिला बेमेतरा उपकरण ङ्क बैटरी चलित ट्रायसाइकिल 7 दिव्यांगता ङ्क 90त्नकमलकिशोर श्रीवास, पिता ङ्क शोभाराम श्रीवास, निवासी ङ्क बीजाभाठा तहसील साजा, जिला बेमेतरा 7 उपकरण ङ्क बैटरी चलित ट्रायसाइकिल 7 दिव्यांगता ङ्क 80त्न गोमती साहू, पति ङ्क विसंबर साहू, निवासी ङ्क ढोलिया तहसील व जिला बेमेतरा 7 उपकरण ङ्क सामान्य ट्रायसाइकिल 7 दिव्यांगता ङ्क 90त्न 7 कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों तक लाभ पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन सतत प्रयासरत है।

जनजातीय उद्यमिता को मिला प्रोत्साहन : जुएल ओराम ने NSTFDC को बताया परिवर्तनकारी संस्था

बेमेतरा/मूक पत्रिका

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने देशभर में अनुसूचित जनजाति समुदायों के सशक्तिकरण में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (एनएसटीएफडीसी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। नई दिल्ली में 10 अप्रैल 2026 को आयोजित निगम के 25वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने एनएसटीएफडीसी को जनजातीय उद्यमिता के लिए एक प्रभावी उत्प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि एनएसटीएफडीसी का जन-केंद्रित दृष्टिकोण इसे विशेष बनाता है, जिसके तहत बिना किसी जमानत के वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे अधिक से अधिक जनजातीय हितग्राही लाभान्वित हो सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निगम का उद्देश्य केवल रोजगार सृजन तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में कार्य करना है।मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक एनएसटीएफडीसी द्वारा 16 लाख से अधिक ऋण वितरित किए जा चुके हैं तथा कुल वितरित राशि 4,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है, जो जनजातीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

25वां स्थापना दिवस: गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न-रत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम ने नई दिल्ली स्थित विश्व युवा केंद्र में अपना 25वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मंत्रालय की सचिव रंजना चोपड़ा, संयुक्त सचिव अनंत प्रकाश पांडे, निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक टी. रौमुआन पाइते, पूर्व प्रबंध निदेशक तथा देशभर की राज्य स्तरीय चैनलिंग एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनएसटीएफडीसी के मध्य क्षेत्र प्रमुख विकास रंजन की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

बेमेतरा के लाभार्थियों का सम्मान-कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य से चयनित लाभार्थियों का सम्मान किया गया। इनमें जिला बेमेतरा के ग्राम कुआं के किशन ध्रुव (किराना व्यवसाय) एवं ग्राम गातापार के धनराज ठाकुर (फोटो स्टूडियो व्यवसाय) शामिल रहे। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के प्रतिनिधि (कार्यपालन अधिकारी) प्रवीण कुमार लाटा का भी स्वागत किया गया। इन सभी लाभार्थियों को एनएसटीएफडीसी की सावधि ऋण योजना के तहत व्यवसाय संचालित करने में उनके प्रयासों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में अहम पहल-कार्यक्रम के अंत में यह बताया गया कि एनएसटीएफडीसी के माध्यम से जनजातीय समुदायों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

यह संस्था जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बरमकेला में ACB का बड़ा धमाका: 10 हजार रिश्वत लेते BEO गिरफ्तार, शिक्षा विभाग में मचा हड़कंप..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बरमकेला विकासखंड में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शिक्षा विभाग में चल रहे भ्रष्टाचार का पर्दाफाश कर दिया। अचानक हुई इस छापामार कार्रवाई में विकासखंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार जांगड़े और संकुल समन्वयक संजय चौहान को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई के बाद पूरे जिले के सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया है।

वेतन के बदले मांगी गई रिश्वत

मामला जीकीपाली स्कूल के शिक्षक निरंजन बरिहा से जुड़ा है, जिनका वेतन कई महीनों से लंबित था। आरोप है कि वेतन जारी कराने के बदले उनसे रिश्वत की मांग की जा रही थी। पहले ज्यादा रकम मांगी गई, लेकिन बाद में 10 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। परेशान शिक्षक ने इसकी शिकायत ACB से की, जिसके बाद पूरे मामले की गोपनीय जांच की गई और आरोप सही पाए गए।

जाल बिछाकर रंगे हाथों पकड़े गए आरोपी

एसीबी ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। तय रणनीति के अनुसार शिक्षक निरंजन बरिहा रिश्वत की राशि लेकर बीईओ कार्यालय पहुंचे। जैसे ही रकम सौंपी गई, पहले से मौजूद टीम ने तुरंत दबिश देकर बीईओ नरेंद्र जांगड़े और सीएसी संजय चौहान को रंगे हाथों पकड़ लिया। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

कार्रवाई से विभाग में खलबली

इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में खलबली मच गई है और अन्य अधिकारियों में भी डर का माहौल देखा जा रहा है। लंबे समय से चल रही अवैध वसूली की शिकायतों के बीच यह कार्रवाई एक बड़ा संदेश मानी जा रही है कि अब भ्रष्टाचार पर सख्ती से लगाम कसी जा रही है।

रशासन की नाकामी, पार्षद का मौन, नदी किनारे नजूल जमीन पर आखिर अवैध कब्जाधारी कौन?

रायगढ़ /मूक पत्रिका

नजूल की जमीनें कभी भी किसी व्यक्ति विशेष की नहीं होती. आजादी के पहले और आजादी के बाद नजूल जमीन पर अवैध कब्जाधारीयों के हौसले बुलंद है इस नजुल जमीन पर कब्जे को जानकर भी वार्ड पार्षद का मौन रहना समझ से परे है रायगढ़ की जीवनदायनी कहे जाने वाली केलो नदी के किनारे घाटों का है यह मामला नगर निगम के अंतर्गत वार्ड नंबर 48 मालीडीपा बोइरदादर का है जिस जमीन पर कुछ सालों पहले मालीडिपा व आसपास के क्षेत्र वासियों के द्वारा अंतिम संस्कार का कार्यक्रम किया जाता था वह शमशान की भूमि को अवैध कब्जाधारियों के द्वारा कब्जा कर लिया गया है विडंबना यह है कि वह जमीन आज अवैध कब्जे की भेंट चढ़ गया है नदी के किनारे शासकीय जमीन पर कब्जा कर बॉडी बनाकर आलू,प्याज उगाया जा रहा है इस अवैध कब्जे के कारण नदी की चौड़ाई सिमटे जा रही है अब इस अवैध कब्जे के कारण धीरे-धीरे नदियों का अस्तित्व समाप्त होने की कगार पर है यदि समय रहते नगर निगम प्रशासन सचेत नहीं हुआ तो नामुमकिन हो जाएगा इन अवैध कब्जाधारियों के सामने नगर पालिका निगम लाचार दिख रही है शासकीय भूमि पर लंबे अरसे से वार्ड के दबंगों ने अवैध कब्जा कर रखा है खाली कराने में नगर निगम प्रशासन का नाकाम है और यह अवैध कब्जे की जानकारी वार्ड पार्षद को भी है लेकिन वार्ड पार्षद सब कुछ जानकर भी अंजान बने हुए हैं या वार्ड पार्षद अवैध कब्जा धारी से साठ गांठ कर अपनी रोटी सेकने में लगे हैं इन अवैध कब्जाधारियों को हटाना

कलेक्टर अमित कुमार ने 3 युवाओं को स्वरोजगार हेतु दिए 2.76 लाख रुपये के अनुदान

सुकमा में डेयरी उद्यमिता को नई उड़ान

सुकमा /मूक पत्रिका

जिले में राज्य शासन की छत्तीसगढ़ राज्य डेयरी उद्यमिता योजना ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को कलेक्टर श्री अमित कुमार एवं उपसंचालक पशुचिकित्सा सेवाएं डॉ. संदीप इंदुरकर के मार्गदर्शन में कलेक्टर कार्यालय सुकमा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान चयनित हितग्राहियों को सहायता अनुदान राशि का वितरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य

लोगों को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आजीविका को सुदृढ़ करना है।पशुधन विकास विभाग अंतर्गत राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजनांतर्गत जिले के 3 युवाओं को कुल 2 लाख 76 हजार 494 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। इसमें मुरतोंडा निवासी श्री रमेश कुमार को 93,240 रुपये, कोंटा निवासी श्री मड़कम विजय कुमार को 90,014 रुपये तथा श्री कट्टम विक्रम कुमार को 93,240 रुपये की अनुदान राशि कलेक्टर श्री अमित कुमार के हाथों प्रदान की गई।पशु चिकित्सा विभाग द्वारा प्रदाय की गई यह राशि डेयरी व्यवसाय से संबंधित आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था में सहायक होगी, जिससे हितग्राही स्वरोजगार स्थापित कर स्थायी आय का स्रोत विकसित कर सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान पशुपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को योजना के बेहतर क्रियान्वयन एवं व्यवसाय संचालन संबंधी मार्गदर्शन भी दिया गया। जिला प्रशासन के इस प्रयास से आदिवासी अंचल में रोजगार सृजन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

रितेश पटेल बने कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय प्रभारी

कोंडागांव /मूक पत्रिका

कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी की घोषणा पिछले दिनों हो चुकी थी जिसमे कोषाध्यक्ष उपाध्यक्ष महामंत्री सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य सम्मिलित हैं संगठन को और अधिक मजबूत करते हुए कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि घोष ने रितेश पटेल महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी को कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया है। ज्ञात हो की रितेश पटेल इसके पूर्व भी झूमूकलाल दिवान एवं बुधराम नेताम के अध्यक्षीय कार्यकाल मे महामंत्री की जिम्मेदारी का निर्वहन करते आ रहे हैं पुनः रवि घोष के कार्यकारिणी मे कार्यालय प्रभारी बनाये जाने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं स्थानीय जनों एवं नेताओं ने शुभकामनायें प्रेषित किया है।रितेश पटेल ने सभी कार्यकर्ताओ एवं नेताओं के प्रति आभार जताते कहा संगठन द्वारा जो भी जिम्मेदारी दी जाती है उसे निर्वहन करना हमारी जिम्मेदारी है हम कौन से पद पर हैं यह मायने नहीं रखता हमे दी गयी जिम्मेदारी को किस तरह निभाते हैं यह मायने रखता है वैसे तो कार्यकर्ता से बढ़कर कोई पद नहीं होता क्योंकि कोई किसी भी पद मे रहकर पूर्व हो सकता है पर कार्यकर्ता कभी पूर्व नहीं होता मुझे जो जिम्मेदारी दी गयी है उसे सभी कांग्रेसजनों के साथ समर्थन से निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करूंगा।

बढ़ती लू के थपेड़ों से स्कूली विद्यार्थी हो रहे परेशान

रायगढ़ /मूक पत्रिका

=क्षेत्र में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक सप्ताह से तापमान में तेजी से उछाल देखने को मिल रहा है। सुबह से ही तेज धूप निकलने लगती है और पारा 38 से 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जा रहा है। मौसम विभाग द्वारा भी ग्रीष्म लहर (लू) से बचाव को लेकर चेतावनी जारी की गई है, जिससे लोगों की चिंता बढ़ी है। इस बीच स्कूलों में नए सत्र की कक्षाएं शुरू कर दी गई हैं। कई निजी स्कूलों में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित हुए बिना ही कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। अधिकांश स्कूलों की छुट्टी दोपहर 12 बजे के बाद हो रही है, जब तापमान अपने चरम पर होता है। इस दौरान तेज धूप और गर्म हवाएं बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं, जिससे स्कूली विद्यार्थी परेशान नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्षों में ऐसी स्थिति बनने पर शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया जाता रहा है। हालांकि इस वर्ष अभी तक इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इसे लेकर अभिभावकों में चिंता बढ़ रही है और वे जल्द से जल्द ग्रीष्म अवकाश घोषित करने की मांग कर रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में गर्म हवाओं का असर और बढ़ सकता है, जिससे अधिकतम तापमान में लगातार वृद्धि होने की संभावना है। वर्तमान में दोपहर के समय तापमान 40 डिग्री के आस पास दर्ज किया जा रहा है, जो शाम तक 41 डिग्री से ऊपर पहुंच सकता है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रशासन से उचित निर्णय की अपेक्षा की जा रही है।

वेतन के बदले रिश्वत का खेल एसीबी का शिकंजा, शिक्षा अधिकारी रंगे हाथ गिरफ्तार

बरमकेला / रायगढ़

वेतन रोककर रिश्वत मांगने का खेल आखिरकार बेनकाब हो गया। छत्तीसगढ़ में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एसीबी बिलासपुर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र जांगड़े को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया, वहीं इस पूरे खेल में सहयोग कर रहे संकुल समन्वयक संजय चौहान को भी गिरफ्त में लिया गया।पूर्व माध्यमिक शाला झीकीपाली के शिक्षक निरंजन बरिहा और उनके साथी मुकेश सोना का मार्च माह का वेतन रोक दिया गया था। वजह सिर्फ आधे घंटे की देरी। नोटिस का जवाब देने के बावजूद वेतन जारी नहीं हुआ, बल्कि बदले में मांगी गई रिश्वत–5-5 हजार, कुल 10 हजार रुपये। शिक्षक ने रिश्वत देने के बजाय एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई। डीएसपी अजितेश सिंह के नेतृत्व में टीम ने सत्यापन किया, जिसमें आरोप सही पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि संकुल समन्वयक संजय चौहान इस लेन-देन में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था।17 अप्रैल को योजनाबद्ध तरीके से शिक्षक को रिश्वत देने भेजा गया। जैसे ही खंड शिक्षा अधिकारी ने पैसे लेकर टेबल के दराज में रखे, पहले से तैनात एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया। मौके से पूरी रकम बरामद कर ली गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और 12 के तहत कार्रवाई की जा रही है। एसीबी ने आम लोगों से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत मांगता है, तो तुरंत सूचना दें। बरमकेला क्षेत्र में एसीबी की यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है, जिसने भ्रष्ट तंत्र को सीधा संदेश दे दिया है अब रिश्वत का खेल ज्यादा दिन नहीं चलेगा। शिक्षक समुदाय के लोगों में बी ई ओ के वसूली के प्रति आक्रोश चरम पर था तथा समय समय पर शिक्षक समुदाय से उसके खिलाफ लगातार शिकायत मिल रही थी। बरमकेला ब्लॉक के शिक्षक संघ के अध्यक्ष देवम प्रकाश पटेल सहित अन्य शिक्षक समुदाय ने एसीबी की इस कार्यवाही की सराहना करते हुए इसे बड़ी राहत देने वाली कार्यवाही बताया ।

मानवता की सेवा में आगे आएं: कलेक्टर कनौजे

सारंगढ़ के साहू भवन में कल होगा विशाल रक्तदान शिविर

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा सारंगढ़-बिलाईगढ़ के तत्वावधान में 17 अप्रैल 2026 को स्थानीय साहू भवन में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।जिले के कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. संजय कन्नौजे ने जिले के युवाओं और नागरिकों से इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा आयोजन साथ ही, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डर एफ आर निराला ने भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से पूरी तैयारी सुनिश्चित होने की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने वाले दाताओं का उचित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।आयोजकः भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा सारंगढ़-बिलाईगढ़

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे की अपील- जिला कलेक्टर ने अपने संदेश में कहा कि रक्तदान न केवल किसी का जीवन बचा सकता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी रक्तदाता के लिए लाभकारी है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और सरकारी कर्मचारियों का आह्वान किया है कि वे इस ÷महादान÷ का हिस्सा बनें। ÷आपका दिया हुआ रक्त किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति, सिकल सेल पीड़ित बच्चे या गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। आइए, हम सब मिलकर सारंगढ़-बिलाईगढ़ को रक्तदान के क्षेत्र में अग्रणी जिला बनाएं।÷

– डॉ. संजय कन्नौजे, कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटी

रक्तदान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी-रक्तदान करने वाले नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग और रेडक्रॉस की टीम ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

रक्तदाताओं का होगा सम्मान-शिविर में रक्तदान करने वाले प्रत्येक रक्तदाता को रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्यों ने बताया कि संग्रहित रक्त का उपयोग जिला अस्पताल और अन्य आपातकालीन स्थितियों में जरूरतमंदों की मदद के लिए किया जाएगा।

प्रशासन की तैयारी-स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से शिविर स्थल पर पेयजल, बैठने की व्यवस्था और प्राथमिक उपचार के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं।

विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोरः

प्रभारी सचिव शहला निगार ने ली व्यापक समीक्षा बैठक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रमुख सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त एवं जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती शहला निगार ने बीते शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कृषि समूह के अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, जिला पंचायत सीईओ सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन, प्रगति की समीक्षा एवं आगामी कार्ययोजनाओं को गति देना रहा। प्रमुख सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक समय-सीमा में पहुंचाना सुनिश्चित करें।

कृषि एवं संबद्ध विभागों की विस्तृत समीक्षा, वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने के निर्देश-बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछली पालन विभाग की योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित करने, दलहन एवं तिलहन के रकबे में वृद्धि करने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने बीज एवं उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा की। रबी सीजन में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने अधिकारियों को किसानों की आय बढ़ाने हेतु नवाचारों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग को फल, सब्जी एवं मसाला उत्पादन में वृद्धि हेतु आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा ड्रिप एवं सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। वहीं पशुपालन एवं मछली पालन को ग्रामीण आय का मजबूत साधन बताते हुए टीकाकरण, पशु चिकित्सा सेवाओं एवं मत्स्य पालकों के लिए क्रेडिट कार्ड की उपलब्धता की समीक्षा की गई।

राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला-बाल विकास विभागों को दिए स्पष्ट निर्देश-प्रमुख सचिव ने राजस्व विभाग को नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। डिजिटल रिकॉर्ड के अद्यतन एवं आम नागरिकों को होने वाली असुविधाओं को दूर करने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षकों की उपस्थिति, स्कूलों की आधारभूत सुविधाएं (पेयजल, शौचालय) एवं आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों पर चर्चा की गई 7 महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत आंगनबाड़ी सेवाओं, पोषण आहार की गुणवत्ता, कुपोषण मुक्ति अभियान तथा महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

गर्मी को देखते हुए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश-भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए प्रमुख सचिव ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत या असंतोष की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए अधिकारी निरंतर मॉनिटरिंग करें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

उर्वरक की कालाबाजारी पर सख्ती, निगरानी बढ़ाने के निर्देश-आगामी खरीफसीजन को ध्यान में रखते हुए प्रमुख सचिव ने किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में कहीं भी उर्वरक की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस हेतु जिला प्रशासन को निगरानी समिति गठित कर उर्वरक विक्रेताओं पर पैनी नजर रखने तथा वितरण प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति और जवाबदेही पर जोर-प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने अधिकारियों को हितग्राहियों से सीधा संवाद स्थापित कर जमीनी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही वास्तविक विकास का आधार है, इसलिए सभी अधिकारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

संपादकीय

स्थायी शांति के लिए संवाद की गुंजाइश बनाने के लिए हर स्तर पर पहलकदमी हो

यह समझना मुश्किल है कि जब ईरान के मुताबिक चौदह दिनों के युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी हमले रोकना भी शामिल था, तो इजरायल को लेबनान के नागरिक ठिकानों पर हमला करके शांति की उम्मीद पर चोट करने की क्या जरूरत थी।ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद हाल ही में जब युद्धविराम पर सहमति बनी थी, तब एक उम्मीद पैदा हुई कि संभवत- दोनों पक्ष जल्दी ही स्थायी समाधान तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। हालांकि इस बीच लेबनान पर इजरायल के हमले जारी रहने की वजह से युद्धविराम खतरे में पड़ता दिखा। इसके बावजूद पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता से यह उम्मीद बंधी थी कि संभवत- युद्ध खत्म होने की कोई राह निकलेगी।मगर वार्ता की विफलता की जैसी जैसी खबरें आईं, वे निराश करने वाली हैं। दरअसल, रविवार को बातचीत खत्म होने के बाद अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच फासला कम करने और समझौता कराने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन हम किसी समझौते तक नहीं पहुंच सके। दूसरी ओर, ईरान की ओर से कहा गया कि अमेरिका की ह्यअत्यधिक गैरवाजिब मांगोंह्ण और उसके रुख में लचीलापन न होने के कारण दोनों देशों के बीच हुई बातचीत किसी समझौते के बिना खत्म हो गई।जाहिर है, इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच लगभग इक्कीस घंटे चली बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। इसीलिए इसे एक विफल वार्ता कहा जा रहा है। सवाल है कि जब दोनों पक्षों के सामने विवाद के मुद्दे स्पष्ट थे, तो क्या वे इन पर व्यावहारिक रुख अख्तियार करते हुए युद्ध खत्म करने के मकसद के साथ एक कदम पीछे, चार कदम आगे के सूत्र पर काम नहीं कर सकते थे।अमेरिका किसी भी समझौते तक पहुंचने के लिए ईरान से परमाणु हथियार नहीं बनाने और इस क्षमता को हासिल करने के लिए जरूरी उपकरण जुटाने से दूर रहने का आश्वासन चाहता है। वहीं ईरान का कहना है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई रचनात्मक योजनाएं पेश कीं, लेकिन अमेरिकी ईरान का विश्वास हासिल नहीं कर सके। जब युद्ध खत्म करने की इच्छा के पीछे ईमानदारी हो, तो वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए शर्तों को पूरा किए जाने की मांग के जिद में तब्दील होने से बचने के हालात बनाने की जरूरत होती है।बातचीत के प्रमुख मुद्दों में ईरान में युद्ध का पूरी तरह अंत, ईरान की जब्त संपत्तियां परमाणु कार्यक्रम, युद्ध मुआवजा, प्रतिबंधों को हटाना और होर्मुज जलमार्ग शामिल थे। मगर क्या इन मसलों पर दोनों पक्षों की ओर से व्यावहारिक नजरिया अपनाए बिना किसी ठोस हल तक पहुंचा जा सकता है? यह समझना मुश्किल है कि जब ईरान के मुताबिक चौदह दिनों के युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी हमले रोकना भी शामिल था, तो इजरायल को लेबनान के नागरिक ठिकानों पर हमला करके शांति की उम्मीद पर चोट करने की क्या जरूरत थी।गौरतलब है कि इजरायल के इसी हमले के बाद ईरान ने दोबारा होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा कर दी थी। सिर्फ इस जलमार्ग के बाधित होने की वजह से भारत सहित दुनिया के बहुत सारे देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। यह सही है कि अमेरिका और ईरान के जैसे संबंध रहे हैं, उसमें सब कुछ ठीक हो जाने की उम्मीद करना मुश्किल है। मगर लंबे अरसे के बाद दोनों देशों के बीच बातचीत का अवसर निकला था।इसलिए शांति वार्ता के नाकाम होने के बावजूद जरूरत इस बात की है कि सबसे पहले कम से कम युद्धविराम को बनाए रखने के लिए सभी पक्ष संवेदनशील रहें। और किसी भी पक्ष की ओर से आक्रामक बयानबाजी के बजाय स्थायी शांति के लिए संवाद की गुंजाइश बनाने के लिए हर स्तर पर पहलकदमी हो।

राख, रक्त, राजनीति और अधूरा सच

13,000 से अधिक हमले, नौसेना का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा समाप्त, हथियार कारखानों का व्यापक विनाश और वायु रक्षा प्रणाली का लगभग ध्वंस, ड्रोन, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल क्षमताओं को गंभीर आघात, यह किसी साधारण सैन्य अभियान का चित्र नहीं था, यह एक संरचना को जड़ से हिला देने वाला प्रहार था। पर सबसे गहरी चोट वहां लगी, जहां आंकड़े नहीं पहुंचते, पर जख्म सबसे गहरा लगता है, मतलब शीर्ष नेतृत्व पर आघात। ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर इस संघर्ष में मारे गए। निर्णय लेने वाली वह परत, जो युद्ध के समय राष्ट्र का मस्तिष्क होती है, अचानक शून्य में बदल गई। यह स्थिति उस वटवृक्ष की तरह प्रतीत होती है, जिसकी शाखाएं भले बची हों, पर जड़ों को भीतर से कमजोर कर दिया गया हो।

(प्रणय विक्रम सिंह)

7 अप्रैल 2026 की वह दोपहर केवल एक तारीख नहीं थी, वह एक ऐसा क्षण था, जब शब्दों ने विश्व राजनीति की नई दिशा को छू लिया। वाशिंगटन में खड़े होकर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'हमने अपने सारे सैन्य उद्देश्य हासिल कर लिए हैंज पूर्ण विजयज 100 प्रतिशत।' उनके स्वर में ठहराव नहीं, ठसक थी, एक ऐसा आत्मविश्वास, जो युद्ध के बाद अक्सर विजेताओं के चेहरों पर उतर आता है। लेकिन इतिहास जानता है कि विजय का सबसे बड़ा भ्रम यही होता है कि वह स्वयं को पूर्ण मान लेती है।

इस घोषणा के ठीक एक दिन बाद पेंटागन में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' को एक ऐतिहासिक सफलता बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की सैन्य शक्ति को वर्षों के लिए निष्प्रभावी कर दिया गया है। उस समय यह सब सुनते हुए ऐसा लगता था मानो युद्ध समाप्त हो चुका है और परिणाम स्पष्ट है। परंतु युद्ध की धूल जब बैठती है, तब ही उसके निशान दिखते हैं और वे निशान अक्सर बयान से अधिक बोलते हैं। ईरान की धरती पर उस युद्ध के निशान अभी भी धुएं की तरह तैर रहे हैं। टूटे हुए रनवे, जली हुई सैन्य फैक्ट्रियां और समुद्र में डूबे जहाज ये सब उस प्रचंड प्रहार की गवाही देते हैं, जो अमेरिका और उसके सहयोगी इज़राइल ने मिलकर किया।

13,000 से अधिक हमले, नौसेना का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा समाप्त, हथियार कारखानों का व्यापक विनाश और वायु रक्षा प्रणाली का लगभग ध्वंस, ड्रोन, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल क्षमताओं को गंभीर आघात, यह किसी साधारण सैन्य अभियान का चित्र नहीं था, यह एक संरचना को जड़ से हिला देने वाला प्रहार था।

पर सबसे गहरी चोट वहां लगी, जहां आंकड़े नहीं पहुंचते, पर जख्म सबसे गहरा लगता है, मतलब शीर्ष नेतृत्व पर आघात। ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर इस संघर्ष में मारे गए। निर्णय लेने वाली वह परत, जो युद्ध के समय राष्ट्र का मस्तिष्क होती है, अचानक शून्य में बदल गई। यह स्थिति उस वटवृक्ष की तरह प्रतीत होती है, जिसकी शाखाएं भले बची हों, पर जड़ों को भीतर से कमजोर कर दिया गया हो।

लेकिन युद्ध केवल विनाश का गणित नहीं है, यह प्रभाव का विज्ञान भी है। इसे केवल प्रहारों की संख्या से नहीं, बल्कि परिणामों की स्थिरता से आंका जाता है। और यहीं से प्रारंभ होती है वह जटिलता, जो इस युद्ध को 'पूर्ण विजय' के दावे से परे ले जाती है। ईरान टूटा जरूर, पर झुका नहीं। उसकी सत्ता संरचना कायम रही। और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण उसने अपने भूगोल को हथियार बना लिया। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, जो वर्षों से वैश्विक व्यापार का मौन मार्ग था, अब शक्ति का प्रतीक बन गया। इस संकीर्ण जलमार्ग पर ईरान की पकड़ पहले से कहीं अधिक सशक्त हो गई। दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा अब उस दरवाजे से गुजरता है, जिसकी चाबी ईरान के हाथ में है। ईरान अब इस मार्ग का 'द्वारपाल' बन चुका है। अर्थात जहां एक ओर उसकी सैन्य संरचना कमजोर हुई, वहीं उसकी सामरिक स्थिति सशक्त हुई। यह वही विरोधाभास है, जो इस युद्ध को जटिल बनाता है। और यहीं से वह अंतर स्पष्ट होने लगता है, जो विजय के उद्घोष और यथार्थ के बीच मौजूद होता है।

युद्धभूमि पर घोषित सफलता, जब कूटनीतिक मेज तक पहुंचती है, तो कई ऐसे प्रश्न छोड़ जाती है, जिनसे बचा नहीं जा सकता। अमेरिका-ईरान समझौते का असफल होना केवल कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि उसी यथार्थ का प्रतिबिंब है। प्रश्न है कि जब अधिकांश शीर्ष नेतृत्व 'शहीद' हो गया, जब आधा मुल्क तबाह-ओ-बर्बाद हो गया, इजरायल समझौते में शामिल भी नहीं हुआ, लेबनान पर हमले जारी हैं, हमास और हिज्बुल्लाह लगातार निशाने पर हैं, तब ईरान सीजफायर की मेज पर आया क्यों? विश्व शांति के लिए? या हालात की मजबूरी? यह निर्णय 'बाय च्वाइस, बाय फोर्स' अब इन सवालों से भी महत्वपूर्ण वह प्रश्न, जो इस पूरे युद्ध के पीछे छिपा था परमाणु कार्यक्रम।

क्या वह समाप्त हुआ? उत्तर- नहीं।

उच्च संवर्धित यूरेनियम अब भी ईरान के पास है। वह शांत दिखाई देने वाला तत्व, जो भविष्य की सबसे बड़ी आशंका बन सकता है, अब भी वहीं है। यह उस अंगारे की तरह है, जिसे राख से ढंक दिया गया हो, पर जो भीतर ही भीतर जलता रहता है।

युद्ध के इन बड़े-बड़े विमर्शों के बीच एक और कहानी है, जो अक्सर दब जाती है। वह कहानी है इंसानों की। 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत और सैकड़ों घायल और दूसरी ओर, ईरान में 1,665 नागरिकों का जीवन समाप्त हो जाना, जिनमें 248 बच्चे थे। ये आंकड़े नहीं, अधूरी कहानियां हैं, ऐसे घरों की, जहां अब दरवाजे तो हैं, पर दस्तक देने वाला कोई नहीं। ये केवल आंकड़े नहीं, ये वे अनकहे आर्तनाद हैं, जो किसी भी विजय के उत्सव को मौन कर देते हैं।

इस युद्ध ने केवल दो देशों को नहीं बदला, इसने दुनिया को भी प्रभावित किया। नाटो के भीतर मतभेद उभरे, रूस को अप्रत्यक्ष लाभ मिला और खाड़ी देशों ने अपने सुरक्षा समीकरणों पर पुनर्विचार शुरू कर दिया। कुछ विशेषज्ञों ने तो यहां तक कहा कि यह युद्ध आने वाले वर्षों में परमाणु हथियारों के प्रसार का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। क्योंकि यह संदेश स्पष्ट हुआ, जिसके पास परमाणु शक्ति नहीं, वही सबसे अधिक असुरक्षित है।

ईरान के भीतर भी इस युद्ध की प्रतिध्वनि दूर तक जाएगी। उसके शीर्ष नेतृत्व का कमजोर होना केवल सत्ता का संकट नहीं, बल्कि विचारधारा का संकट भी है। इस युद्ध में मुस्लिम ब्रदरहुड का बुलबुला भी फूट गया। पाकिस्तान समेत विश्व के बड़े इस्लामिक गणराज्य अमेरिका के साथ नजर आए। जब नेतृत्व टूटता है, तो केवल संरचना नहीं, विश्वास भी टूटता है। और इसी बीच, युद्ध का एक और चेहरा सामने आता है, थकान का। अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इस संघर्ष में अपने सैन्य संसाधनों का व्यापक उपयोग किया है। मिसाइलें, रक्षा प्रणालियां इंटरसेप्टर आदि सबका उपयोग हुआ है। अब इन सबको पुनः तैयार करना होगा और यह पुनर्निर्माण केवल समय ही नहीं, अपार धन भी मांगेगा।

इन सबके बीच भारत खड़ा है, न तो इस युद्ध का पक्षधर, न ही दर्शक मात्र। भारत के लिए यह संघर्ष केवल एक समाचार नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर आने वाला तेल भारत की जीवनरेखा है। ऐसे में भारत का दृष्टिकोण स्वाभाविक रूप से संतुलित और संयमित है। वह जानता है कि युद्ध समाधान नहीं, संवाद ही स्थायित्व देता है।

तो क्या यह वास्तव में 'पूर्ण विजय' है?

शायद नहीं। अंततः, यह स्पष्ट होता है कि विजय का उद्घोष भले हो चुका हो, पर यथार्थ अभी भी प्रश्नों में खड़ा है।

अमेरिका ने युद्धभूमि पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है, परंतु क्या उसने वह स्थिरता सुनिश्चित की है, जिसकी उसे तलाश थी? यह प्रश्न अभी भी हवा में तैर रहा है।युद्ध की कहानियां केवल जीत और हार में नहीं लिखी जातीं, वे लिखी जाती हैं राख में, रक्त में और उन सवालों में, जो समय के साथ और गहरे होते जाते हैं। और इस युद्ध की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि

विजय घोषित हो चुकी है, पर इतिहास का निर्णय अभी बाकी है।

ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

तकनीक के दौर में अंधविश्वास का जाल, महिलाओं पर बढ़ता खतरा

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक स्तब्ध करने वाली घटना सामने आई। खबरों के मुताबिक, एक महिला ने अपने बेटे की शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से निजात पाने के लिए तांत्रिक के कहने पर अपनी बेटी की हत्या कर दी। इसी तरह एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याएं सुलझाने के नाम पर यौन शोषण से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचारित हुए।

(मोनिका शर्मा)

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां बेटे की समस्या से निजात के लिए तांत्रिक के कहने पर एक महिला ने अपनी बेटी की हत्या कर दी। वहीं, एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं के यौन शोषण के वीडियो भी सामने आए, जो गंभीर चिंता का विषय हैं।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि तकनीकी तरक्की और शिक्षित समाज के बढ़ते आंकड़ों के बीच देश के दूरदराज के क्षेत्रों से लेकर बड़े शहरों तक अंधविश्वास की जकड़बंदी खत्म नहीं हो रही है। एक ओर धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर महिलाओं का शोषण किया जाता है, तो दूसरी ओर मुसीबतों से छुटकारा पाने के लिए तांत्रिकों के इशारे पर मासूम बच्चों की हत्या कर दी जाती है। ऐसी घटनाओं में लालच और स्वार्थ का खेल स्पष्ट नजर आता है।सब कुछ सही कर देने वाले वादों और दावों के जाल में लोग आसानी से फंस जाते हैं। खासकर महिलाएं अंधविश्वास के फेर में पड़कर अपनी सुरक्षा को जोखिम में डालने को तैयार हो जाती हैं। कुंठित और आपराधिक मानसिकता वाले स्वयंभू बाबाओं तथा तांत्रिकों से लंबे समय तक जुड़े रहना न केवल समग्र समाज को नकारात्मक संदेश देता है, बल्कि आज के शिक्षित वर्ग की सोच एवं समझ पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक स्तब्ध करने वाली घटना सामने आई। खबरों के मुताबिक, एक महिला ने अपने बेटे की शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से निजात पाने के लिए तांत्रिक के कहने पर अपनी बेटी की हत्या कर दी। इसी तरह एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याएं सुलझाने के नाम पर यौन शोषण से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचारित हुए। यह मामला चर्चा और चिंता का गंभीर विषय है।

दरअसल, अंधी आस्था के साथ शुरू होने वाला यह जालसाजी का खेल भयादोहन तक जा पहुंचता है। कई

महिलाएं अपने परिवार को बताए बिना ऐसे स्वयंभू बाबाओं से मिलती हैं और घर-आंगन, बच्चों या जीवनसाथी से जुड़ी परेशानियों का हल ढूंढने के फेर में इस दलदल में धंसती चली जाती हैं। कई बार तो वे ढोंगी बाबा की सच्चाई जानने के बाद भी इस जाल से बाहर नहीं निकाल पातीं। ऐसे फर्जी जुड़ावों से पनपी जद्दोजहद आगे चलकर आपराधिक घटनाओं का भी कारण बनती है। बदनामी के भय के कारण कई महिलाएं तो आत्महत्या का रास्ता तक चुन लेती हैं। हाल के वर्षों में शिक्षा, अनुसंधान और अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों के मोर्चे पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। बावजूद इसके कभी डायन बताकर तो कभी जादू-टोना करने के नाम पर महिलाओं की हत्या कर दी जाती है। ऐसी घटनाओं के पीछे स्पष्ट रूप से स्वार्थ साधने का व्यावहारिक खेल होता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से स्त्री समाज को मिलेगा अधिकार और सम्मान

हर जनम मोहे बिटिया ही कीजो

प्रो.मनोज कुमार

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:' यह मात्र श्लोक नहीं है बल्कि सनातनी परंपरा इस बात की साक्षी है कि हर युग में मातृशक्ति को पूरा सम्मान और अधिकार दिया जाता रहा है. जहाँ स्त्री का सम्मान होता है, उसे बराबरी का अधिकार दिया जाता है, वह घर, समाज और राष्ट्र पुष्पित-पल्लवित होता है. भारत वर्ष में हर युग में स्त्री को अधिकार और सम्मान दिया जाता रहा है किन्तु बीते दशकों में स्त्रियों को अधिकार और सम्मान के नाम पर छलावा किया जाता रहा है. योजना बनाने की घोषणा होती रही है और इसे कभी अमलीजामा नहीं पहनाया गया. स्त्री स्वयं को ठगा सा महसूस करती रही है. हालात अब बदलने लगे हैं. डेढ़ दशक में महिला कल्याण के लिए बातों और वायदों से ऊपर उठकर जमीनी स्तर पर उन्हें अधिकार और सम्मान दिया जा रहा है. हालिया सत्ता में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का केन्द्र सरकार का फैसला उन्हीं में से एक है. स्त्री सशक्तिकरण को इस फैसले से वास्तविक शक्ति मिलेगी क्योंकि सत्ता में भागीदारी से ही उसकी ताकत में इजाफा होता है. महिलाओं की सत्ता में भागीदारी का यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि की सोच का परिणाम है. इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि केन्द्र सरकार के इस फैसले के इतर कोई भी राजनीतिक दल जाएगा क्योंकि यह सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय का संदेश देता है. इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि इस नए कानून को सर्वसम्मित से पारित किये जाने की पूरी संभावना है, बावजूद इसके कि किसी भी प्रकार की और देरी दुर्भाग्यपूर्ण होगी और भारत की महिलाओं के साथ घोर अन्याय होगा। महिलाओं की सत्ता में भागीदारी का यह प्रस्ताव स्वतंत्र भारत का यह क्रांतिकारी पहल है. इससे ना केवल महिलाओं को अधिकार प्राप्त होगा बल्कि देश की राजनीति का आचार-व्यवहार भी बदलेगा. इस पहल की सबसे बड़ी बात यह है कि समाज अब तक स्त्रियों को लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा का दर्जा देकर उन्हें महिमामंडित करता रहा है लेकिन अब वास्तव में यह स्वरूप व्यवहार में देखने को मिलेगा. यह बिल दोनों सदनों से पास होकर कानूनी रूप ले लेता है, तो यह दशकों में भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली का सबसे बड़ा ढांचागत बदलाव होगा, जो 2029 में देश को 273 महिला सांसद देगा. महिलाओं की सत्ता में भागीदारी का यह प्रस्ताव भारत का भविष्य तय करने वाला है. प्रतिदिन महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार, उनके साथ अन्याय और आर्थिक रूप से निर्बल बनाने की जो कुचक्र जारी है, उसे तोडने में यह सहायक होगा. इस प्रस्ताव के पूर्व समूची राजनीति दलों में महिलाओं की सहभागिता का आंकड़ा जाँचें

तो स्थिति शर्मनाक दिखती है. पुरुष प्रधान समाज की जो धारणा है, वह पुष्ट करती है. यही नहीं, महिला सहभागिता का अवसर भी तभी दिया गया जब लगा कि उनकी सहभागिता से ही उनके राजनीतिक और आर्थिक उद्देश्य पूरे होंगे. पिछले डेढ़ दशक की विवेचना करें तो समाज इस बात के लिए राहत महसूस कर सकता है कि आहिस्ता-आहिस्ता स्त्रियों के पक्ष में अनेक ठोस कदम उठाये गए हैं. सबसे उल्लेखनीय पक्ष तो यही है कि मोदी सरकार का यह फैसला संप्रदाय या धर्म विशेष को लक्ष्य करके नहीं बल्कि भारतीय स्त्री समाज के पक्ष में लिया गया है. तीन तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त किया गया तो यह भारतीय स्त्री समाज के हक में ही है. आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग की स्त्रियों को सर्वशक्तिशाली पद पर निर्विकार भाव से बिठाया गया तो यह स्त्री सम्मान का सबसे बड़ा उदाहरण के रूप में आप देख सकते हैं. देश की राष्ट्रपति पद पर विदुषी मूर्मु का चयन किया गया. चाहते तो किसी सामान्य वर्ग की कुलीन स्त्री को अवसर दे सकते थे लेकिन ऐसा नहीं कर संदेश दिया गया कि सबका साथ, सबका विकास में समाज के अंतिम छोर पर बैठे प्रतिभावान स्त्री को अवसर देना है. मोदी जी उस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं जो उनके शीर्ष नेतृत्व ने आरंभ किया था. स्मरण रहे कि मध्यप्रदेश के इतिहास में उमा भारती को मुख्यमंत्री निर्वाचित कर इस परंपराका श्रीगणेश किया गया. इसके पहले ऐसा साहस किसी सत्ताधारी दल ने नहीं किया. दो अन्य राज्यों में भी भाजपा ने महिला मुख्यमंत्री बनाने का कार्य किया. अन्य प्रभावशाली पदों पर महिलाओं को अधिकार सम्पन्न बनाकर उन्हें सम्मान दिया गया और हालिया प्रस्ताव इस सोच को विस्तार देता है.

ताजा प्रस्ताव के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2029 में लोकसभा और विभिन्न विधानसभाओं के चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ कराए जाते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र और भी मजबूत और जीवंत बनेगा। उनका मानना है कि महिलाएं आज कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, इसलिए विधायी संस्थाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाना बेहद जरूरी है। यहाँ यह भी जान लेना उचित होगा कि महिलाओं की सत्ता में भागीदारी का यह प्रस्ताव कैसे लागू किया जाएगा. महिला आरक्षण विधेयक जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम संबोधित किया गया है, जिसके पारित होने से संसद में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत सुनिश्चित हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि 1996 में महिला आरक्षण विधेयक की जाँच करने वाली संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट में सिफारिश की गई थी कि ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति देने के लिए संविधान में संशोधन होने के बाद अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिए. ज्ञात रहे कि 19 सितंबर 2023 को मोदी सरकार ने विशेष सत्र में इस विधेयक को 128वें संवैधानिक संशोधन विधेयक, 2023 के रूप में पेश किया था। अब नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा से पारित होने के बाद दोबारा राज्यसभा में जाएगा.

इस अधिनियम के पारित होने पश्चात लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटें 131 में से 43 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी. इन 43 सीटों को सदन में महिलाओं के लिए आरक्षित कुल सीटों के एक हिस्से के रूप में गिना जाएगा. महिलाओं के लिए आरक्षित 181 सीटों में से 138 ऐसी होंगी जिन पर किसी भी जाति की महिला को उम्मीदवार बनाया जा सकेगा यानी इन सीटों पर उम्मीदवार पुरुष नहीं हो सकते.

महिलाओं को सत्ता में अधिकार देने के लिए वर्तमान व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने के स्थान पर परिसीमन कर सीटें बढ़ायी जा रही हैं जिसमें भी सरकार की मानें तो रोटेशन पद्धति लागू होगी. वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं. नए प्रस्ताव के तहत 50 प्रतिशत वृद्धि के बाद यह संख्या बढक़र लगभग 816 हो जाएगी. इन 816 सीटों में से एक तिहाई यानी करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी. सबसे खास बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया के लिए अब अगली जनगणना का इंतजार नहीं किया जाएगा, बल्कि 2011 की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी. साल 2029 का लोकसभा चुनाव पूरी तरह से इसी नए बिल और नई परिसीमन व्यवस्था के आधार पर लड़ा जाएगा.

मोदी सरकार की महिलाओं हक में लिये गए फैसले ऐतिहासिक रूप में याद किए जाएंगे. अपने डेढ़ दशक के कार्यकाल में महिलाओं की शक्ति में ही इजाफा नहीं हुआ अपितु उन्हें आर्थिक, राजनीतिक रूप से भी बराबरी का दर्जा हासिल हुआ है. कल तक जो बिटिया अपने जन्म पर निराश होकर कहती थी-'अगले जनम मोहे बिटिया ना कीजो', आज वही बिटिया अपने जन्म पर इतरा रही है और कह रही है कि 'मोहे हर जनम बिटिया ही कीजो'. स्त्री सम्मान भारतीय

वेदांता कंपनी के निदेशक अनिल अग्रवाल, कंपनी प्रबंधक देवेन्द्र पटेल सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ FIR दर्ज

वेदांता पावर प्लांट, सिंघीतराई में बायलर विस्फोट प्रकरण–20 श्रमिकों की मृत्यु, 15 घायल; जिम्मेदार अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

जिला सक्ती के थाना डभरा अंतर्गत ग्राम सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में दिनांक 14 अप्रैल 2026 को दोपहर 14:33 बजे बायलरङ्क01 में भीषण विस्फोट की घटना घटित हुई, जिसमें भारी जनहानि हुई। घटना की सूचना प्राप्त होते ही कायमीकर्ता थाना प्रभारी निरीक्षक श्री राजेश पटेल तत्काल पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे तथा आवश्यक प्रारंभिक जाँच कार्यवाही की।दुर्घटना में घायल हुए श्रमिकों को उपचार हेतु त्वरित व्यवस्था के तहत रायगढ़ जिले के विभिन्न अस्पतालों–मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अपेक्स अस्पताल, मेट्रो अस्पताल एवं अन्य उपचार केंद्रों–में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान कुल 20 श्रमिकों की मृत्यु होना पाया गया, जबकि 15 घायल श्रमिकों का उपचार जारी है।

स्थानीय प्रशासन द्वारा मृत एवं घायल श्रमिकों के परिवारों को सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। घटनास्थल पर मौजूद बायलर मुख्य निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक तकनीकी रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि बायलर फर्नेस के भीतर अत्यधिक मात्रा में ईंधन के जमा हो जाने के कारण तेज दबाव उत्पन्न हुआ, जिससे बायलर में विस्फोट हुआ। उत्पन्न दबाव के कारण बायलर का निचला पाइप अपनी निर्धारित स्थिति से हट गया, जिसके परिणामस्वरूप यह गंभीर दुर्घटना हुई।इसी प्रकार एफएसएल सक्ती द्वारा प्रदान की गई रिपोर्ट में भी यह पुष्टि की गई है कि अत्यधिक ईंधन संचय और उससे उत्पन्न अतिरिक्त दबाव ही विस्फोट की मुख्य वजह रहे। जाँच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वेदांता कंपनी तथा एन.जी.एस.एल. द्वारा मशीनरी एवं उपकरणों के रख-रखाव तथा संचालन संबंधी मानकों का समुचित पालन नहीं किया गया। उपकरणों की देखरेख में लापरवाही एवं संचालन में उपेक्षा के कारण बायलर के दबाव में अचानक उतारङ्कचढ़ाव आया, जिसके परिणामस्वरूप यह दुर्घटना घटी। उपलब्ध साक्ष्यों एवं तकनीकी रिपोर्टों के आधार पर घटना में लापरवाही परिलक्षित हुई है। उक्त परिस्थितियों के आधार पर पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर(भारतीय पुलिस सेवा) के निर्देश पर वेदांता कंपनी के निदेशक अनिल अग्रवाल, कंपनी प्रबंधक देवेन्द्र पटेल सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रथम दृष्टया लापरवाही परिलक्षित होने पर थाना डभरा में अपराध क्रमांक 119/2026, धारा 106(1), 289, 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस विभाग द्वारा तकनीकी विशेषज्ञों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत विवेचना की जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उक्त प्रकरण की सम्पूर्ण विवेचना के लिए पुलिस अधीक्षक श्री प्रफुल्ल कुमार ठाकुर (भापुसे) ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के नेतृत्व में टीम गठित की है। टीम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सुमित गुप्ता, फोरेंसिक अधिकारी सृष्टि सिंह एवं थाना प्रभारी डभरा राजेश पटेल होंगे।

भीषण गर्मी में ड्यूटी करते ट्रैफिक जवानों को जन सहयोग ने राहत पहुंचाई,

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर इस वर्ष अप्रैल माह में ही गर्मी के मौसम ने मई जून जैसा रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। 10--11 बजे के बाद शाम 5:00 बजे तक लोगों को सड़क पर चलना बहुत मुश्किल हो गया है। ऐसी स्थिति में ट्रैफिक जवानों को दिनभर चिलचिलाती धूप में खड़े रहकर ड्यूटी करनी पड़ती है। उनकी इस हालात का अंदाज़ा लगाकर सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने निश्चय किया कि इन्हें कुछ तो राहत अपनी संस्था की ओर से पहुंचाई जाए। इस हेतु आज ÷जन सहयोग÷ के सदस्य कड़ी धूप में निकल पड़े और जहां-जहां ट्रैफिक जवान भारी तकलीफ़ में ड्यूटी कर रहे थे, वहां पहुंचकर उन्हें ठंडे पानी की बोतलें, बिस्कुट, तथा नाक, कान ढांकने हेतु सफेद तौलिए प्रदान किये। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष

अजय पप्पू मोटवानी ने वक्तव्य दिया कि इस वर्ष की भयंकर रिकॉर्ड तोड़ गरमी ने अभी से डराना शुरू कर दिया है, आगे मई जून में क्या होगा, कौन जानता है? इस पर ध्यान देते हुए हमारी संस्था ने उन जवानों को राहत पहुंचाने का निश्चय किया, जिनकी ड्यूटी ही चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़ों के बीच लगा करती है। कभी छोटे-मोटे एक्सीडेंट, कभी जुलूस रैली आदि से भी निपटना पड़ता है। 40 से 45 डिग्री तापमान के बीच ड्यूटी कर रहे इन जवानों एवं महिला ट्रैफिक पुलिस की भी जितनी तारीफ़ की जाए, कम होगी। लोगों से हमारी अपील है कि आपके आसपास भी ऐसे ही कोई ड्यूटी वाले परेशान दिखाई दें तो उन्हें कम से कम ठंडा पानी अवश्य प्रदान करें, साथ ही प्यास से बेचैन पशु पक्षियों के लिए भी थोड़ा सा इंतज़ाम रखें। कहीं कोई हीट वेव से प्रभावित इंसान दिखाई दे तो उसे अस्पताल तक पहुंचाएं अथवा हमारी संस्था को ख़बर करें। इस तरह इस भीषण गर्मी में मानव सेवा का पुण्य प्राप्त करें। अपने घरों में भी जीवन रक्षक जल, इलेक्ट्रल पाउडर, ग्लूकोज़ पाउडर आदि वक्त ज़रूरत के लिए अवश्य रखें। आज की इस समाज सेवा में भाग लेने वाले समाज सेवकों में ÷जन * सहयोग÷ अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा वरिष्ठ सदस्य प्रवीण गुप्ता, मनोज दुबे महाराज, वरिष्ठ पत्रकार सीतारामजी, संजय कुंजाम, आशुतोष देव आदि इत्यादि 26 ने उत्साह पूर्वक भाग लिया, जिनकी तारीफ़ सर्वत्र की जा रही है।

जंगल में छिपा विस्फोटक मिला, सुरक्षाबलों ने मौके पर ही किया नष्ट

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। फरसेगढ़ थाना इलाके के अन्नापुर जंगल में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सर्चिंग के दौरान माओवादियों द्वारा पहले से छिपाकर रखा गया विस्फोटक सामग्री का डम्प बरामद हुआ। डीआरजी और बीडीएस की टीम पीछूर-अन्नाराम की ओर एरिया डॉमिनेशन और डी-माइनिंग कर रही थी, तभी यह सफलता हाथ लगी।बताया जा रहा है कि सूचना मिलने पर टीम ने जंगल में तलाशी ली, जहां जमीन के अंदर दबाई गई एक सफेद प्लास्टिक पानी की टंकी मिली। टंकी खोलने पर उसमें भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी।बरामद सामग्री में करीब 50 किलो गंधक, लगभग 100 किलो यूरिया और 10 किलो गन पाउडर शामिल है। सुरक्षाबलों ने सावधानी बरतते हुए पूरे विस्फोटक को वहीं सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया।पुलिस का कहना है कि इस तरह की सामग्री का इस्तेमाल करके माओवादी किसी बड़ी वारदात में कर सकते थे। इलाके में फिलहाल सर्चिंग और डी-माइनिंग अभियान जारी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि कहीं भी कोई संदिग्ध चीज दिखे तो तुरंत नजदीकी थाना या कैंप को जानकारी दें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर से किया अभियान का आगाज़

'नवा तरिया' से आत्मनिर्भरता की नई लहर

जगदलपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण परिदृश्य को बदलने और जल संरक्षण के साथ-साथ आजीविका के नए अवसर पैदा करने के लिए राज्य सरकार ने एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 'नवा तरिया' और 'मोर गांव मोर पानी' महाभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति ने इस पहल के महत्व को और रेखांकित किया, जो न केवल जल संचयन बल्कि राज्य की ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होने

वाला है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के साथ ही पूरे प्रदेश में जल प्रबंधन को लेकर एक नई ऊर्जा देखी जा रही है, जिसका सीधा असर बस्तर जिले में भी महसूस किया गया जहाँ प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल 9 नए तालाबों की स्वीकृति के साथ ही निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया है। यह पूरी योजना महात्मा गांधी नरेगा और 'युक्तधारा पोर्टल' के तकनीकी तालमेल पर आधारित है, जिसके माध्यम से प्रदेश की प्रत्येक संकुल स्तर संगठनों के लिए कम से कम एक नए तालाब की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में चल रहे मनरेगा के 'पीक सीजन' का लाभ उठाते हुए सरकार का लक्ष्य मई 2026 तक 'अमृत सरोवर' की तर्ज पर इन तालाबों का निर्माण पूर्ण करना है। इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल पुराने तालाबों के गहरीकरण पर ध्यान न देकर, वैज्ञानिक पद्धति से नए उपयुक्त स्थलों का चयन कर उच्च गुणवत्ता वाले 'सामुदायिक जल संचयन तालाबों' का निर्माण किया जा रहा है। इन तालाबों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इनमें प्रतिवर्ष पर्याप्त जल संचय संभव हो सके, जिससे गिरते भू-जल स्तर को बनाए रखने में मदद मिलेगी। आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह 'तालाब मॉडल' विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं और भूमिहीन परिवारों के लिए वरदान साबित होने जा रहा है। बस्तर जिला पंचायत के सीईओ प्रतीक जैन और मनरेगा शाखा के मार्गदर्शन में इस पहल को सीधे तौर पर महिला स्व-सहायता समूहों की आय से जोड़ दिया गया है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इन तालाबों को महिला समूहों की संकुल स्तर संगठनों को हस्तांतरित कर दिया जाएगा, जहाँ वे मछलीपालन, सब्जी उत्पादन और पशुपालन जैसी बहुआयामी गतिविधियों के माध्यम से अपनी स्थायी आजीविका सुनिश्चित कर सकेंगी। उदाहरण के तौर पर बस्तर के बकावंड ब्लॉक में प्रथम चरण के लिए दो समूहों का चयन भी हो चुका है। नवा तरिया पहल में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इन कार्यों के हर चरण में स्थानीय समुदाय और पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिससे यह अभियान वास्तव में एक जन अभियान का रूप ले चुका है।

कांग्रेस का महिलाओं को आरक्षण नहीं देने का असली चेहरा एकबार फिर आया जनता के सामने - विकास शर्मा

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कांग्रेस का महिलाओं को आरक्षण नहीं देने का असली चेहरा एक बार फिर जनता के सामने उजागर हो गया है। महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली कांग्रेस जब अधिकार देने की बारी आती है, तब अपनी महिला विरोधी मानसिकता दिखाने लगती है। यह घोर निंदनीय और शर्मनाक है। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता विकास शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को केवल वोट बैंक समझा है। चुनाव के समय झूठे वादे करना और बाद में महिलाओं के अधिकारों से मुंह मोड़ लेना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। महिलाओं के आरक्षण का विरोध करना देश की आधी आबादी का अपमान है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी डॉ. रमन सिंह जी की सरकार ने पंचायत चुनाव में महिलाओं के सम्मान, भागीदारी और नेतृत्व को मजबूत करने के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर ऐतिहासिक कार्य किया था। इस फैसले से हजारों महिलाएं नेतृत्व की मुख्यधारा में आई और आत्मनिर्भर बनीं। यह भारतीय जनता पार्टी की नीयत और नीति दोनों को स्पष्ट करता है।विकास शर्मा ने कहा कि एक तरफ भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम करती है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस महिलाओं के हक पर डाका डालने का काम करती है। कांग्रेस को महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए और अपनी महिला विरोधी सोच पर जवाब देना चाहिए।उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की महिलाएं कांग्रेस की इस दोहरी राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी हैं और आने वाले समय में इसका करारा जवाब देंगी।

कांकेर पुलिस की अनूठी पहलः परतापुर मेले में 'मोर मितन' के तहत महिला सुरक्षा और साइबर जागरूकता का संदेश

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / -उत्तर बस्तर कांकेर जिला पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में कांकेर पुलिस द्वारा सामाजिक जागरूकता और सुरक्षा को लेकर निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार कुरे के मार्गदर्शन और एसडीओपी पखांजूर रवि कुमार कुजूर व प्रतिभा लहरे के पर्यवेक्षण में महिला रक्षा टीम ने परतापुर के वार्षिक मेले में पहुँचकर जन-संवाद किया। थाना प्रभारी अभिषेक महोबिया की उपस्थिति में आयोजित इस विशेष कार्यशाला में टीम ने महिलाओं और बच्चों को 'गुड टच-बैड टच', बाल विवाह और मानव तस्करी जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही, वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों से बचने के उपाय और

सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के तरीके भी समझाए गए। जागरूकता फैलाने के लिए पुलिस ने 'नुक्कड़ नाटक' का सहारा लिया, जिसके माध्यम से शराब के सेवन से होने वाले सामाजिक नुकसान, यातायात नियमों के उल्लंघन और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर प्रभावशाली संदेश दिया गया। महिलाओं की तत्काल सहायता के लिए 'अभिव्यक्ति ऐप' को डाउनलोड कराया गया और ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया सिखाई गई। साथ ही, पुलिस ने जगह-जगह लगाई गई 'शिकायत पेटी' के महत्व को बताते हुए कहा कि नागरिक बिना किसी डर के अपनी समस्याएं इन पेटियों के माध्यम से प्रशासन तक पहुँचा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान रक्षा टीम ने महिलाओं को आत्मरक्षा (स्द्गद्यद्ध-ड्डद्गद्धद्गठ्ठह्यद्ग) के गुर सिखाने के लिए डेमो भी दिखाया, ताकि वे विषम परिस्थितियों में सुरक्षित रह सकें।

पुलिस ने आपातकालीन सेवाओं के लिए 112, साइबर हेल्पलाइन 1930 और महिला रक्षा टीम के नंबर 9479155925 पर संपर्क करने की अपील की है। कांकेर पुलिस का यह 'मोर मितन' अभियान मेले में आए लोगों के बीच काफी सराहनीय रहा।

रायगढ़ मटन मार्केट की गंदगी पर आयुक्त सख्त, अतिक्रमण करने वालों को नोटिस के निर्देश

रायगढ़/मूक पत्रिका

केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड स्थित मटन मार्केट में फैली गंदगी और अव्यवस्था को लेकर नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई।

निरीक्षण में दिखी बदहाल व्यवस्था–निरीक्षण के दौरान मार्केट में जगह-जगह कचरा फैला मिला और दुर्गंध की स्थिति सामने आई। आयुक्त ने अधिकारियों को तत्काल सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।

अतिक्रमण पर भी कार्रवाई–जांच में पाया गया कि कई दुकानदारों ने छज्जा निकालकर अतिक्रमण कर रखा है। आयुक्त ने गंदगी फैलाने और अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

पहले भी मिल चुकी थीं शिकायतें–मटन मार्केट में गंदगी को लेकर पहले भी कई बार शिकायतें सामने आ चुकी हैं। खुले में कचरा फेंकने से आसपास के इलाके में दुर्गंध फैलती है, जिससे लोगों को परेशानी होती है।

नाला निर्माण कार्य का भी लिया जायजा–निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने केवड़ाबाड़ी रोड पर चल रहे नाला निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और गुणवत्ता के साथ जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई–आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि यदि किसी भी कार्य में अनियमितता या लापरवाही पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम ने संकेत दिया है कि अब शहर में गंदगी और अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पंडरिया विधानसभा में वनांचल क्षेत्रों में बिछ रहा सड़कों के जाल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया 57.93 करोड़ से अधिक की लागत से 57 किमी सड़क निर्माण का वर्चुअल भूमिपूजन

कवर्धा/मूक पत्रिका

पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी परिवारों के सुगम आवागमन एवं उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोडने् के लिए डबल इंजन भाजपा सरकार में निरंतर विकास कार्य किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर से प्रदेश के विभिन्न विधानसभाओं में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्यों का वर्चुअल भूमिपूजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा पंडरिया विधानसभा अंतर्गत वनांचल क्षेत्रों में 57 करोड़ 93 लाख 32 हजार रुपए की लागत से 57.415 किलोमीटर लम्बाई के कुल 27 बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार वनांचल व आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी

प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ ही सुगम व सुरक्षित आवागमन की दिशा में आज यह सभी विकास कार्य सार्थक सिद्धि होंगी। सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य के साथ हम प्रदेश में सुशासन स्थापित करने के साथ ही जनता की हर मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनहितकारी योजनाओं से उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहें हैं। प्रदेश के युवा, किसान, महिला, व्यापारी, गरीब हर वर्ग के लिए योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन और विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों को गति देकर हम माननीय प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत,विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहें हैं। पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में इन सड़क निर्माण कार्यों के भूमिपूजन के लिए विधायक भावना बोहरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा सहित पूरे प्रदेश के वनांचल व आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विकास उनके जन-जन के घर तक पहुँच रही है। आज मुख्यमंत्री द्वारा जिन स?कों का भूमिपूजन किया गया है वह सड़कें पंडरिया के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोडने् की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। वर्षों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित इन क्षेत्रों में अब बेहतर सड़क संपर्क स्थापित होने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक सहज पहुंच मिल सकेगी। उन्होंने आगे कहा कि पंडरिया विधानसभा के समग्र विकास के लिए सड़क कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक है। सड़कें केवल रास्ते नहीं बनातीं, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि की नई राह खोलती हैं। हमारा संकल्प है कि पंडरिया के हर गाँव और घर तक विकास की रौशनी पहुंचे। हर घर तक पक्की सड़कें, स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त बिजली,मूलभूत सुविधाएँ और किसानों के खेतों तक सिंचाई के लिए पानी की पहुंच सुनिश्चित हो सके और इस दिशा में हम निरंतर आगे बढ़ रहें हैं। आज छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार सरकार के सहयोग से पंडरिया में विकास कार्यों को नई गति मिली है। आने वाले समय में भी क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जनसुविधाओं के विस्तार हेतु लगातार कार्य किए जाएंगे। इन सड़क निर्माण कार्यों से न केवल ग्रामीण अंचलों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी। पंडरिया विधानसभा अब तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है, जहां हर गांव को मुख्यधारा से जोडने् का लक्ष्य प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। वर्तमान में वनांचल क्षेत्रों में घर-घर तक पक्की सड़कों की पहुंच, पक्के आवास की उपलब्धता, विद्युत विहीन ग्रामों में विकास की रोशनी, पीने के लिए स्वच्छ पानी, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, विकास एवं अधोसंरचना निर्माण के साथ ही मूलभूत सुविधाओं और योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन से वहां के तस्वीर बदल रही है। भेलकी मुख्य मार्ग से चुलटोला वाया बदनाटोला मार्ग , बोहिल रोड से झुमर, अमनिया बरटोला रोड से ढोलढोली डोकरीघखटिया, दमगढ़ से लुढूटोला, कांदावानी से डेंगुरजाम अमनिया, बिरहुलडीह से करालू, बिरहुलडीह से लिफ्री, जखना रोड से धोबे, पेन्ड्रा से पावले, छिन्दीडीह से टिकराटोला, महीडबरा से नवापारा, देवानपटपर से चिखलापानी, केसमरदा रोड से गाडासरई, दमगढ़ से महुवापानी, भैंसाडबरा से भंदराटोला, बोहिल से फिफलीपानी, देवसरा रोड से पंडरीपथरा, बांगर रोड से एरुंगटोला, बांगर मेनरोड से कोटनापानी (टोलापारा), बदना रोड से कारीधाप, दमगढ़ मेनरोड लुढूटोला से चारभाठा, डालामौहा से पीपरकछार, सोमनापुर से मोतेसरा, भटरूसे से पथर्री कंझेटी, बांगर रोड से धारटोला, भेढ़ागढ़ से भेढ़ागढ़ बैगापारा और पैलपार से गोरखपुरखुर्द सड़क निर्माण कार्य का मुख्यमंत्री विष्णु देव से द्वारा वर्चुअल भूमिपूजन किया गया।

फोनपे के साथ 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड खरीदकर इस अक्षय तृतीया को बनाएं और भी यादगार

रायपुर। इस पावन अक्षय तृतीया पर अब सोना खरीदना पहले से भी आसान हो गया है। फोनपे के जरिए आप घर बैठे ही 99.99 प्रतिशत शुद्ध 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से खरीद सकते हैं। फोनपे प्लेटफॉर्म पर आपको भरोसेमंद कंपनियों जैसे एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफगोल्ड और कैरटलेन का गोल्ड मिलता है, जो पूरी तरह शुद्धता प्रमाणित होता है। इसकी खास सुविधा है कि गोल्ड की पेमेंट के कई विकल्प हैं जैसे यूपीआई, यूपीआई लाइट, कार्ड, वॉलेट, गिफ्ट कार्ड। इसके अलावा, एक बार में गोल्ड खरीद सकते हैं या रोजाना या मासिक एसआईपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश कर सकते हैं, जिससे आप लंबे समय के लिए बचत कर सकते हैं। मात्र 10 रूपये से गोल्ड खरीदना शुरू सकते हैं। कभी भी अपना गोल्ड बेच सकते हैं। बेचने के बाद पैसा सीधे बैंक खाते में आ जाता है। भारत में लाखों लोगों ने फोनपे पर 24 कैरेट शुद्ध सोना खरीदा है।

फोनपे पर डिजिटल गोल्ड खरीदने का स्टेप-बाय-स्टेप आसान तरीका:

पहला स्टेप: फोनपे ऐप खोलें, नीचे स्क्रॉल करके गोल्ड एंड सिल्वर सेक्शन में जाएं और मोर पर टैप करें।

100 प्रतिशत अंकों की गूंज : फिजिक्सवाला छात्रों की सीबीएसई 10वीं बोर्ड 2026 में रिकॉर्ड सफलता

बिलासपुर: शिक्षा कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के लिए आज का दिन गर्व और उत्सव का रहा, जब इसके कई विद्यार्थियों ने Central Board of Secondary Education (सीबीएसई) कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) अंक हासिल कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया।

इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यू विद्यापीठ-पाठशाला, जो फिजिक्सवाला के तकनीक-सक्षम हाइब्रिड केंद्र हैं, ने बिलासपुर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। प्रमुख प्रदर्शनकर्ताओं में सम्पद बनर्जी (98.20 प्रतिशत) और खुशल राठौड़ (98.40 प्रतिशत) शामिल रहे। अपने अनुभव साझा करते हुए वैभव अरोड़ा ने कहा, नियमित तैयारी, सतत अभ्यास और स्कूल व पीडब्ल्यू शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मुझे पूर्ण अंक प्राप्त करने में मदद की। अमोलिक पंडिता ने बताया, नियमित रिविजन और सैंपल पेपर हल करना मेरे लिए 100 प्रतिशत अंक लाने में बहुत सहायक रहा। आयुष्मान महापात्रा ने कहा, अनुशासन बनाए रखते हुए एक सुव्यवस्थित अध्ययन योजना का पालन करना मेरी सफलता की कुंजी रहा। परिणामों पर अपने विचार साझा करते हुए अलख पांडेय, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा, हम परीक्षा में शामिल हुए सभी विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना करते हैं। विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने पूर्ण अंक हासिल किए। ये परिणाम निरंतर प्रयास और सही शैक्षणिक सहयोग प्रणाली को दर्शाते हैं। इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा में 25 लाख से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इन विद्यार्थियों का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि सुनियोजित ऑनलाइन एवं हाइब्रिड शिक्षण पद्धति शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मेलोनी के रवैये से हैरान हूं, इजरायल से रक्षा समझौता खत्म करने पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी पर मंगलवार को पलटवार किया। ट्रंप ने इतालवी समाचार पत्र को बताया कि वह मेलोनी के रवैये से हैरान हैं।

मेलोनी ट्रंप की मुखर समर्थक रही हैं, लेकिन उन्होंने ईरान युद्ध संबंधी ट्रंप के फैसले की आलोचना की थी। मेलोनी ने ट्रंप द्वारा पोप लियो की आलोचना किए जाने को भी अस्वीकार्य बताया था।

ट्रंप से अलग मेलोनी की सोच: ट्रंप ने कोरिएरे डेला सेरा के साथ साक्षात्कार में कहा कि मेलोनी का सोच मेरे सोच से बहुत अलग था। ट्रंप ने ईरान द्वारा अवरुद्ध होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में मदद करने से इनकार करने के लिए भी मेलोनी की निंदा की।

ऑनलाइन पोस्ट किए गए इतालवी लेख में उनके हवाले से कहा गया, मैं मेलोनी से स्तब्ध हूं। मुझे लगा था कि उसमें साहस है, लेकिन मैं गलत था।

व्हाइट हाउस ने इन बयानों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मेलोनी के कार्यालय ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पोप लियो पर मेलोनी की टिप्पणियों की निंदा के बारे में पूछे जाने पर, ट्रंप ने इसे अस्वीकार्य बताया और कहा, मेलोनी को इस बात की परवाह नहीं है कि ईरान के पास परमाणु हथियार है और अगर उसे मौका मिले तो वह दो मिनट में इटली को उड़ा देगा। ट्रंप ने कहा, वे (इटली) दुनिया में सबसे अधिक ऊर्जा लागत का भुगतान करते हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए लड़ने को भी तैयार नहीं हैं। वे होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने के लिए डोनल्ड ट्रंप पर निर्भर हैं।

- **इटली और अमेरिका के बीच बढ़ रहीं दूरियां :** ट्रंप ने जिस तरह से मेलोनी पर पलटवार किया है उससे प्रतीत होता है कि दोनों के बीच दूरियां बढ़ रही हैं। पिछले महीने ही उन्होंने कोरिएरे डेला सेरा को बताया था कि मेलोनी महान नेता हैं, लेकिन मंगलवार को उन्होंने उन पर ऊर्जा सुरक्षा और ईरान को लेकर अमेरिकी प्रयासों का समर्थन करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

मेलोनी को उम्मीद थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनके घनिष्ठ संबंध देश और विदेश में उनकी स्थिति को मजबूत करेंगे, लेकिन इसके बजाय यह एक राजनीतिक बोझ बनने का खतरा पैदा कर रहा है। अब लगभग 66 प्रतिशत इतालवी अमेरिकी नेता के बारे में नकारात्मक राय रखते हैं।

सर्वेक्षणकर्ताओं का कहना है कि व्हाइट हाउस से मेलोनी के संबंधों के कारण पिछले महीने न्यायिक सुधार पर जनमत संग्रह में मेलोनी को हार का सामना करना पड़ा था। ईरान में चल रहे युद्ध ने इटली में ऊर्जा की कीमतों को बढ़ा दिया है, जो तेल और गैस आयात पर काफी हद तक निर्भर है।

- **इटली ने इजरायल के साथ रक्षा समझौता किया निलंबित :** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इजरायल के साथ रक्षा सहयोग समझौते को निलंबित कर बड़ा संदेश दिया है। यह कदम उन दोनों देशों के रिश्तों में आई खटास को उजागर करता है, जो अब तक यूरोप में इजरायल के मजबूत सहयोगियों में गिने जाते थे।
- इटली सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है जब उसने हाल के हफ्तों में इजरायल की लेबनान में सैन्य कार्रवाई की खुलकर आलोचना की थी। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत और हजारों के घायल होने की खबरें सामने आई हैं।

स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब इजरायली बलों ने संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत तैनात इतालवी सैनिकों के पास चेतावनी के तौर पर गोलीबारी की, जिससे एक सैन्य वाहन को नुकसान पहुंचा।

- **जहां मतभेद होते हैं, वहां कदम उठाना जरूरी :** मेलोनी ने साफ कहा कि जहां मतभेद होते हैं, वहां कदम उठाना जरूरी होता है। उनके इस फैसले को एक बड़े कूटनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है, खासकर तब जब उन्होंने हाल ही में राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की भी आलोचना की थी। हालांकि इजरायली विदेश मंत्रालय ने इस फैसले को ज्यादा महत्व नहीं दिया।

मंत्रालय का कहना है कि दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक सुरक्षा समझौता नहीं, बल्कि एक पुराना समझौता ज्ञापन है, जिसका वास्तविक प्रभाव सीमित है और इससे इजरायल की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

- **रणनीति में बदलाव किया :** विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम घरेलू राजनीति से भी जुड़ा हो सकता है। रोम के लुइस विश्वविद्यालय में राजनीतिक इतिहासकार लोरेंजो कैस्टेलानी के अनुसार, मेलोनी को आशंका है कि इजरायल-ईरान तनाव और उसके आर्थिक असर को लेकर मतदाताओं का रुख बदल सकता है, इसलिए उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। गौरतलब है कि यह रक्षा समझौता 2003 में सिल्वियो बर्लुस्कोनी के कार्यकाल में हुआ था, जो हर पांच साल में स्वत : नवीनीकरण के तहत चलता रहा है। अब इटली का यह कदम वैश्विक कूटनीति में नए समीकरणों के संकेत दे रहा है।

बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों को लेकर बड़ा खुलासा, चीनी सेना के अस्पतालों में कर रहीं दवा परीक्षण

बीजिंग, एजेंसी। बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों को लेकर एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक कई बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियां चीन के शिजियांग क्षेत्र और चीनी सेना से जुड़े अस्पतालों में दवाओं के परीक्षण कर रही हैं और इस प्रक्रिया में अमेरिकी नियमों से बच निकल रही हैं। मेडिकल डेटाबेस से जुटाए गए डेटा पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियां लंबे समय से ऐसे स्थानों पर क्लिनिकल ट्रायल कर रही हैं, जहां निगरानी सीमित है और कई बार अस्पतालों की सैन्य पहचान भी स्पष्ट नहीं होती।

चीन के अलग-अलग प्रांतों में पीपल्स लिबरेशन आर्मी से जुड़े करीब 165 अस्पताल हैं, जहां इस तरह के परीक्षण हो सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अलग-अलग जगहों पर ट्रायल करने से कंपनियों को विविध आबादी पर दवा के असर का डेटा मिलता है, जिसे बाद में नियामक मंजूरी के लिए इस्तेमाल किया जाता है।उदाहरण के तौर पर, ब्रिटेन की दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोविड-कालीन इलाज एवुशेल्ड का परीक्षण शिनजियांग सहित कई देशों में किया गया था। बाद में इस दवा को अमेरिका में मंजूरी भी मिल गई।हालांकि, शिनजियांग में मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर पहले से ही गंभीर चिंताएं रही हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और संयुक्त राष्ट्र ने यहां उइगर मुस्लिमों के खिलाफ कथित उत्पीड़न और जबरन श्रम के आरोप लगाए हैं।

इसके बावजूद, दवा कंपनियों को 2021 के उइगुर ज़बरन श्रम रोकथाम अधिनियम के तहत अन्य उद्योगों की तरह सख्त प्रतिबंधों का सामना नहीं करना पड़ा। इस कानून का उद्देश्य शिनजियांग से आने वाले उत्पादों पर रोक लगाना है, जब तक यह साबित न हो जाए कि वे जबरन श्रम से जुड़े नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि निगरानी की कमी के कारण अमेरिकी सांसदों ने भी चिंता जताई है। अमेरिकी प्रतिनिधि जॉन मूलेनार इन ट्रायल्स की जांच की मांग की है और कहा है कि जबरन मेडिकल परीक्षणों के बावजूद कंपनियों को इस डेटा का उपयोग करने की अनुमति मिल रही है।

इजराइल के इंडिपेंडेंस डे समारोह से ट्रंप का नाम बाहर, अब नहीं मिलेगा बड़ा सम्मान !

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अगले हफ्ते होने वाला इज़राइल दौरा रद्द हो गया है। ट्रंप इज़राइल के 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए वहां जाने वाले थेय़ रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के साथ जारी युद्धविराम के शेड्यूल के चलते उनका यह दौरा फिलहाल टल गया है। इज़राइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप न तो समारोह में शामिल होंगे और न ही इज़राइल प्राइज कार्यक्रम में वीडियो संदेश के जरिए भाग लेंगे। हालांकि व्हाइट हाउस द्वारा अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इज़राइल में यह लगभग तय माना जा रहा है कि उनका आना संभव नहीं है। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले घोषणा की थी कि इस बार परंपरा तोड़ते हुए ट्रंप को इज़राइल प्राइज दिया जाएगा। यह देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक सम्मान है, जो अब तक किसी गैर-इज़राइली को नहीं दिया गया था। अब यह सम्मान ट्रंप को उनकी अगली इज़राइल यात्रा के दौरान एक अलग समारोह में दिया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह में सिर्फ वीडियो के जरिए उनके सम्मान का जिक्र किया जाएगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कार्यक्रम में गाने वाली पॉप सिंगर ह्श्ङ्क ्चद्बह्लद्गद्य की प्रस्तुति भी फिलहाल टाल दी गई है, क्योंकि वह ट्रंप के सम्मान में प्रस्तुति देने वाली थीं।

बड़ा खुलासा: ईरान को अमरिका के साथ वार्ता टेबल तक लाया चीन, पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका

बीजिंग , एजेंसी। भारत के पूर्व वरिष्ठ राजनयिक विद्या भूषण सोनी ने ईरान और अमेरिका के बीच हालिया वार्ता में चीन की अहम लेकिन पर्दे के पीछे भूमिका पर बड़ा खुलासा किया है।उनके मुताबिक, यह एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है कि ईरान बातचीत की मेज पर आया। सोनी ने कहा कि भले ही इस्लामाबाद में हुई वार्ता में कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ, लेकिन बातचीत का होना ही एक बड़ी सफलता है। विद्या भूषण सोनी का मानना है कि इतने संवेदनशील मुद्दों पर पहली ही बैठक में समझौता होना संभव नहीं होता और इसके लिए कई दौर की बातचीत जरूरी होती है।

सोनी ने बताया कि अमेरिका और ईरान दोनों मैक्सिममलिस्ट यानी कठोर शुरुआती मांगों के साथ वार्ता में पहुंचे थे, जिन्हें स्वीकार करना आसान नहीं था। लेकिन असली बातचीत टेबल के पीछे, यानी अनौपचारिक बैठकों और साइडलाइन चर्चाओं में हुई। सोनी के अनुसार, इस वार्ता का सबसे अहम मुद्दा होर्मुज जलडमरूमध्य रहा। यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल व्यापार और शिपिंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ईरान के लिए हॉर्मुज़ उसका सबसे बड़ा बर्गेनिंग चिप है, क्योंकि इस पर नियंत्रण रखकर वह अमेरिका पर दबाव बना सकता है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप के लिए इस जलमार्ग को खुलवाना उनकी रणनीतिक सफलता का पैमाना बन गया है।

सोनी ने यह भी बताया कि 21 घंटे तक चली इस वार्ता ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया, क्योंकि करीब 47-48 साल बाद इतने उच्च स्तर पर दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत हुई। हालांकि अभी भी कुछ प्रमुख मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है, लेकिन ईरान की ओर से यह स्वीकार करना कि कई बिंदुओं पर प्रगति हुई है, एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इस बीच, हालात की संवेदनशीलता तब और सामने आई जब एक चीनी स्वामित्व वाला जहाज हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने में सफल रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में तनाव के बावजूद समुद्री गतिविधियां पूरी तरह ठप नहीं हुई हैं। कुल मिलाकर, यह मामला दिखाता है कि वैश्विक राजनीति में कूटनीति, शक्ति संतुलन और रणनीतिक हित किस तरह एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

पोप पर ट्रंप की टिप्पणियों के बीच जेडी वेंस का संतुलित दांव, तारीफ के साथ पूछे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच जहां एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पोप लियो 14वें के बीच खूब टिप्पणियां चल रही है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पोप लियो की तारीफ भी की है। भले ही कुछ मुद्दों पर उनसे उन्होंने असहमति भी जताई हो। जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें अच्छा लगता है जब पोप दुनिया के बड़े मुद्दों जैसे युद्ध, शांति, इमिग्रेशन और गर्भपात पर खुलकर बोलते हैं। उनके मुताबिक, इससे चर्चा शुरू होती है, जो जरूरी है।

हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि वे पोप की हर बात से सहमत नहीं हैं। खासतौर पर हाल ही में ईरान संघर्ष को लेकर पोप के बयान पर उन्होंने सवाल उठाया। पोप ने कहा था कि जो लोग युद्ध करते हैं या बम गिराते हैं, वे शांति के रास्ते पर नहीं हैं। इस पर वेंस ने तर्क दिया कि इतिहास में कई बार युद्ध जरूरी भी रहा है, जैसे जब अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में निर्दोष लोगों को बचाया।

अब ट्रंप और पोप के बीच विवाद को समझिए: बता दें कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच बीते कई दिनों से डोनाल्ड ट्रंप और पोप के बीच तकरार देखने को मिल रहा है। जब पोप ने युद्ध को खत्म करने और शांती की अपील की, तब ट्रंप ने पोप की बातों को गलत बताया और यहां तक कह दिया कि वे माफी नहीं मांगेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि पोप कुछ मुद्दों पर कमजोर हैं। इस बयान से दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

पोप का जवाब शांति पर दिया जोर

इस पूरे विवाद के बीच पोप लियो 14वें ने बहुत शांत और संतुलित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने साफ कहा कि वे किसी राजनीतिक बहस में नहीं पड़ना चाहते। पोप ने कहा कि उनका काम राजनीति करना नहीं, बल्कि शांति का संदेश देना है। वे दुनिया में युद्ध खत्म करने और देशों के बीच संवाद बढ़ाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मैं ट्रंप प्रशासन से नहीं डरता।

गाजा और शांति की बात

जेडी वेंस ने गाजा की स्थिति को बहुत बड़ी मानवीय त्रासदी बताया। उन्होंने दावा किया कि डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में वहां शांति समझौते की कोशिशें हुई हैं। पोप इस समय अफ्रीका के दौरे पर हैं, जहां वे शांति, भाईचारा और धर्मों के बीच संवाद का संदेश दे रहे हैं। खासतौर पर अल्जीरिया जैसे देशों में उनका फोकस अलग-अलग समुदायों को जोड़ने पर है।

चीन ने विदेशी कंपनियों पर कसा शिकंजा, तैयार माल की अधिकता से निपटने के लिए लगाए कड़े नियम

बीजिंग, एजेंसी। तैयार माल की अधिकता से जूझ रहे चीन ने विदेशी कंपनियों के कामकाज से संबंधित नियम कड़े किए हैं। ऐसा चीन के आधारभूत ढांचे का लाभ लेते हुए विदेशी कंपनियों को उत्पादन करने और तैयार माल को निर्यात करने से रोकने की मंशा है।

नए नियमों में विदेशी कंपनियों को चीनी कंपनियों का स्वरूप देकर कार्य करने और चीन की कंपनियों के साथ गठजोड़ करने के नियम भी कड़े किए गए हैं। इन नए नियमों पर प्रधानमंत्री ली कछियांग ने सात अप्रैल को हस्ताक्षर किए हैं। नए नियम चीन में लागू हो गए हैं। चीन के सामान का सरप्लस स्टाक पूरे विश्व के लिए समस्या बन गया है।

यूक्रेन युद्ध के चलते पहले से धीमी आर्थिक तरक्की की रफ्तार को ईरान युद्ध ने लगभग ठप कर दिया है। ऐसे में विश्व के सबसे बड़े निर्यातक देश चीन के तैयार माल की खपत घटी है और चीन के गोदाम, बंदरगाह और उपभोक्ता देशों के भंडार गृह चीनी माल से भर गए हैं। इससे विश्व स्तर पर चिंता पैदा हो गई है। विदेशी कंपनियों के लिए चीन के नए नियम इसी समस्या से निपटने के लिए हैं। पिछले वित्त वर्ष में चीन का कुल निर्यात 10 खरब डालर के आंकड़े को पार कर गया था। लेकिन ताजा वर्ष की पहली तिमाही में चीनी माल की बिक्री और खपत धीमी पड़ गई है। इससे चीनी कारखानों में उत्पादन कम करना पड़ा है और वहां पर बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी का खतरा पैदा हो गया है। इन स्थितियों से निपटने के लिए चीन ने 18 बिंदुओं वाले नए नियम लागू किए हैं।

हॉलीवुड डील पर बवाल: वार्नर-पैरामाउंट मर्जर पर 110 से ज्यादा फिल्मी हस्तियों का हंगामा, बढ़ेगी बेरोजगारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की फिल्म इंडस्ट्री में एक बड़े प्रस्तावित सौदे को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। 1000 से ज्यादा फिल्ममेकर, कलाकार और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने एक साथ मिलकर इसका विरोध किया है। उनका कहना है कि यह डील इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा को कम कर सकती है और रचनात्मक अवसरों को नुकसान पहुंचा सकती है।

अमेरिका की मीडिया और मनोरंजन इंडस्ट्री में प्रस्तावित 110 अरब डॉलर के बड़े विलय के खिलाफ 1000 से ज्यादा फिल्ममेकर, अभिनेता और प्रोफेशनल्स ने एक खुला पत्र जारी किया है। इस पत्र में उन्होंने कहा है कि इस तरह का विलय प्रतिस्पर्धा को घटाएगा और इंडस्ट्री में एकाधिकार को बढ़ावा देगा। इस विरोध में शामिल प्रमुख कलाकारों में जेन फोंडा, जोक्विन फीनिक्स और मार्क रफैलो जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। इन लोगों का कहना है कि इस डील के बाद क्रिएटर्स के लिए मौके कम हो जाएंगे, नौकरियों पर दबाव बढ़ेगा और दर्शकों के पास विकल्प भी घट जाएंगे। पत्र में यह भी कहा गया है कि पहले हुए ऐसे विलयों से पहले ही फिल्म इंडस्ट्री पर दबाव बढ़ चुका है। फिल्मों की संख्या कम हुई है और अलग-अलग तरह की कहानियों को फंडिंग और रिलीज के मौके भी घटे हैं।

रेगुलेटर की नजर

विशेषज्ञों का मानना है कि यह खुला पत्र विरोध को मजबूत जरूर करता है, लेकिन इससे डील रुक जाएगी, इसकी संभावना कम है। अब इस सौदे पर अमेरिका और यूरोप के नियामक नजर रखे हुए हैं। वे इस बात की जांच करेंगे कि इसका असर उपभोक्ताओं और क्रिएटिव इंडस्ट्री पर क्या पड़ेगा। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बॉन्टा ने भी कहा है कि इस डील की जांच की जा रही है और इसकी समीक्षा सख्ती से की जाएगी।

मार्श का 102 मीटर लंबा सिक्स, पंत रिटायर हर्ट हुए, जितेश के सिक्स पर बॉल बॉय का कैच

बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के 23वें मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को 5 विकेट से हराया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में मिचेल मार्श ने 102 मीटर लंबा सिक्स लगाया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत चोटिल होकर रिटायर हर्ट हुए।

बुधवार को विराट कोहली 49 रन पर आउट होकर अर्धशतक से चूक गए। मैच में दिलचस्प पल तब दिखा, जब जितेश शर्मा के सिक्स पर बाउंड्री के बाहर खड़े बॉल बॉय ने बेहतरीन कैच लपक लिया।

मार्श का 102 मीटर लंबा सिक्स स्टेडियम के बाहर गया

लखनऊ की पारी के तीसरे ओवर में मिचेल मार्श ने भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर सिक्स लगाया। यह शॉट मिडविकेट के ऊपर से 102 मीटर दूर जाकर स्टेडियम के बाहर चला गया। भुवनेश्वर ने शॉर्ट बॉल फेंकी। मार्श ने बैकफुट पर जाकर गेंद को डीप मिडविकेट के पार भेजा।

हेजलवुड की गेंद पर पंत चोटिल, रिटायर हर्ट होकर लौटे

पारी के पांचवें ओवर में जोश हेजलवुड की गेंद ऋषभ पंत की कोहनी पर लगी। यह गेंद ऑफ स्टंप के बाहर थी। पंत ने शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से कनेक्ट नहीं हुई और उनकी बाई कोहनी पर लगी। इसके बाद वे दर्द से कराहते नजर आए। फिजियो मैदान पर आए, लेकिन पंत रिटायर हर्ट होकर पवेलियन लौट गए।

पूरन-मार्श और मुकुल हुए बोल्ड

लखनऊ की पारी में तीन अहम विकेट गिरे, जिससे टीम बैकफुट पर आ गई। सातवें ओवर की पहली गेंद पर जोश हेजलवुड ने निकोलस पूरन को बोल्ड किया। बैक ऑफ लेंथ गेंद पर पूरन पुल शॉट खेलने गए। गेंद बल्ले का किनारा लेकर स्टंप्स पर जा लगी। पूरन 1 रन बनाकर आउट

हुए। दसवें ओवर की पांचवीं गेंद पर क्रुणाल पंड्या ने मिचेल मार्श को बोल्ड किया। बाहर जाती गेंद पर मार्श ने क्रीज में पीछे रहकर कट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद का अंदरूनी किनारा लेकर स्टंप्स बिखर गए। मार्श 32 गेंदों में 40 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

19वें ओवर की दूसरी गेंद पर रसिख सलाम डार ने मुकुल चौधरी को बोल्ड कर लखनऊ को झटका दिया। फुल लेंथ की गेंद पर मुकुल ऑन साइड में खेलने आगे बढ़े, लेकिन गेंद धीमी गति से अंदर आकर लेग स्टंप उखाड़ गई। मुकुल 28 गेंदों में 39 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

क्रूणाल के 100 आईपीएल विकेट पूरे

11वें ओवर की दूसरी गेंद पर क्रुणाल पंड्या ने 100 टी20 विकेट पूरे किए। उन्होंने अब्दुल समद को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। क्रुणाल ने पैड्स लाइन पर गेंद डाली। समद लेग साइड में खेलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन शॉट टाइम नहीं कर पाए और गेंद बल्ले का लीडिंग एज लेकर कवर की दिशा में गई, जहां रजत पाटीदार ने आसान कैच पकड़ा। समद बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

सॉल्ट ने लपका डाइविंग कैच, पंत आउट

16वें ओवर में ऋषभ पंत को पहले जीवनदान मिला, लेकिन कुछ गेंदों बाद वे पवेलियन लौट गए। दूसरी गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने वाइड यॉर्कर डाली। पंत ने थर्ड मैन की ओर शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद हवा में उठी, लेकिन शॉर्ट थर्ड पर मौजूद सुयश कैच नहीं पकड़ सके और पंत को जीवनदान मिला।

ओवर की पांचवीं गेंद पर भुवनेश्वर ने लो फुल टॉस डाली, जिस पर पंत ने मिडविकेट की ओर फ्लिक किया, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। डीप से दौड़ते हुए फिल सॉल्ट ने आगे डाइव लगाकर लो कैच पकड़ लिया। पंत 1 रन बनाकर आउट हुए।

डेविड का शानदार रनिंग कैच

18वें ओवर की तीसरी गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने लखनऊ को एक और विकेट दिलाया। भुवनेश्वर ने शॉर्ट गेंद डाली, जिस पर जॉर्ज लिंडे ने कट शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से पर लगी और बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर हवा में गई।

वहां से टिम डेविड ने लंबी दूरी तय कर पीछे दौड़ लगाई, गेंद पर नजर बनाए रखी और बाएं कंधे के ऊपर से कैच लपका। लिंडे 7 रन बनाकर आउट हुए और भुवनेश्वर को मैच में दूसरा विकेट मिला।

कोहली रनआउट से बचे, 49 पर कैच आउट

पारी की शुरुआत में विराट कोहली को जीवनदान मिला। पहले ओवर में मोहम्मद शमी की ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ गेंद पर कोहली ने पॉइंट की ओर हल्का पुश किया और रन के लिए दौड़े। इस दौरान उनके और फिल सॉल्ट के बीच कन्फ्यूजन हुआ और दोनों बल्लेबाज बीच पिच पर रुक गए।

हालांकि, फील्डर गेंद साफ तरीके से नहीं उठा सका और रनआउट का मौका चूक गया। इसके बाद 11वें ओवर की पहली गेंद पर आवेश खान ने उन्हें पवेलियन भेजा। फुल लेंथ गेंद पर कोहली ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के अंदरूनी हिस्से पर लगकर लॉन्ग-ऑन की दिशा में गई, जहां निकोलस पूरन ने आसान कैच पकड़ लिया।

कोहली 34 गेंदों में 49 रन बनाकर आउट हुए और अर्धशतक से 1 रन दूर रह गए। उनकी पारी में 6 चौके और 1 छक्का शामिल रहा।

जितेश के सिक्स पर बाउंड्री बॉल बॉय ने लपका कैच

11वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जितेश शर्मा ने छक्का जड़ा, लेकिन इस शॉट का दिलचस्प पल बाउंड्री के बाहर दिखा। दिग्वेश सिंह राठी ने ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ गेंद डाली, जिस पर जितेश ने आगे बढ़कर शॉट खेला। उन्होंने इनसाइड-आउट शॉट लगाते हुए गेंद को वाइड लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से स्टैंड्स में भेजा। स्टैंड्स के पास मौजूद बॉल बॉय ने कैच लपक लिया, जिससे यह सिक्स और खास बन गया।

वानखेड़े में पंजाब ने छठी बार मुंबई को हराया

श्रेयस और प्रभसिमरन के बीच चौथी सबसे बड़ी साझेदारी

मुंबई। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हरा दिया। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में छह विकेट पर 195 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

शीर्ष पर पहुंची पंजाब की टीम

पंजाब ने वानखेड़े में छटी बार मुंबई को मात दी। वहीं, आईपीएल में यह पंजाब की इस टीम के खिलाफ 18वीं जीत है। आईपीएल के मौजूदा सीजन में यह पंजाब की पांच मैचों में चौथी जीत है। इससे पहले उनका एक मुकाबला कोलकाता के खिलाफ बारिश में धुल गया था। वहीं, मुंबई को लगातार चौथे मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत के साथ पंजाब की टीम अंक तालिका में नौ अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि आरसीबी दूसरे स्थान पर खिसक गई।

23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं धोनी

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब पिंडली में आये खिंचाव से उबर गये हैं और उनकी शीघ्र टीम में वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी की कमी टीम को काफी महसूस हो रही है पर अब क्रिकेट प्रेमियों और प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच से वापसी कर सकते हैं। धोनी को इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा जा सकता है।

धोनी अभ्यास सत्र दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे। हालांकि, अब रिपोर्टों के मुताबिक 44 वर्षीय धोनी अब पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। धोनी के नहीं खेलने पर सीएसके का अब तक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। टीम ने आईपीएल 2024 में पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा और दो में जीत मिली। शुरुआती तीन हार के बाद, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम ने पिछले दो घरेलू मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर अपनी लय हासिल कर ली है। हालांकि, मौजूदा अंक तालिका में सीएसके 10 टीमों में से आठवें स्थान पर है, ऐसे में टीम को धोनी की वापसी का बेसब्री से इंतजार है ताकि टीम और बेहतर प्रदर्शन कर सके।

अधिक बोझ न डालते हुए टीम धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतार सकती है, जिससे उनकी बल्लेबाजी का पूरा लाभ उठाया जा सके। धोनी के होने भर से ही टीम में उत्साह रहता है। इसके अलावा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी वह जरुरी सलाह दे सकते हैं।

धोनी के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करना एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि इस टीम के खिलाफ उनका रिकॉर्ड हमेशा शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुल 44 मैच की 38 बल्लेबाजी पारियों में उन्होंने 772 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 35.09 और स्ट्राइक रेट 130.62 रहा है।

दिग्गजविक्टर एक्सेलसन ने चोट के कारण लिया शॉक रिटायरमेंट

नई दिल्ली।

बैडमिंटन जगत को बड़ा झटका देते हुए विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने स्वास्थ्य कारणों से तत्काल प्रभाव से संन्यास ले लिया है। उनके इस फैसले से एक सफल युग का अंत हो गया है, लेकिन उनकी विरासत आने वाले खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

बैडमिंटन की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आई। डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने 32 साल की उम्र में पेशेवर बैडमिंटन से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। बता दें कि लंबे समय से चोट से जूझ रहे एक्सेलसन ने आखिरकार अपने शरीर की स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया है।

मौजूदा जानकारी के अनुसार एक्सेलसन पिछले कुछ समय से पीठ की गंभीर समस्या से परेशान थे। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराई थी और उसके बाद लंबा पुनर्वास भी किया था, लेकिन अक्टूबर में उन्हें फिर से झटका लगा। इसके बाद से वह न तो ठीक से ट्रेनिंग कर पा रहे थे और न ही प्रतिस्पर्धी स्तर पर खेल पा रहे थे, जिसके चलते उन्हें मजबूर होकर यह कठिन निर्णय लेना पड़ा है।

एक्सेलसन ने अपने बयान में साफ कहा कि डॉक्टरों की सलाह उनके फैसले में अहम रही है। उनका कहना है कि मौजूदा दर्द को देखते हुए आगे और सर्जरी की जरूरत पड़ सकती थी, जो उनके करियर के लिए और ज्यादा जोखिम भरा होता। ऐसे में उन्होंने समय रहते संन्यास लेने का फैसला किया है, ताकि भविष्य में स्वास्थ्य को लेकर कोई बड़ा खतरा न बने।

अगर उनके करियर पर नजर डालें तो यह बेहद शानदार और प्रेरणादायक रहा है। वह दो बार ओलंपिक चैंपियन, दो बार विश्व चैंपियन और कई बार यूरोपीय चैंपियन रह चुके हैं। इसके अलावा वह लंबे समय तक दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी भी रहे। गौरतलब है कि एक्सेलसन ने अपने करियर को लेकर संतोष और खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि इतने सालों तक उच्च स्तर पर खेलना, बड़े टूर्नामेंट जीतना और दुनिया भर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना उनके लिए एक खास अनुभव रहा है। उन्होंने इसे अपने जीवन का सौभाग्य बताया है।

हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह बैडमिंटन से पूरी तरह विदाई नहीं है। मौजूद जानकारी के अनुसार वह भविष्य में किसी न किसी रूप में खेल से जुड़े रहेंगे, चाहे वह कोचिंग हो, मेंटरिंग हो या किसी अन्य भूमिका में योगदान देना हो

रसेल को कोच बनाना केकेआर को भारी पड़ा : कैफ

मुम्बई ।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इस सत्र में आंद्रे रसेल को कोच बनाकर गलती की है। कैफ के अनुसार रसेल को कोच बनाने की जगह पर ऑलराउंडर के तौर पर उतारना चाहिए था। कैफ ने ने सोशल मीडिया में लिखा, इस सत्र में केकेआर की सबसे बड़ी भूल रसेल को ऑलराउंडर की जगह पर कोच बनाना रहा। उन्हें केकेआर के डगआउट में रखने और दूसरी फ्रेंचाइजी को नीलामी में खरीदने न देने का दावं बेकार गया। वह अब भी कैमरोन ग्रीन से बेहतर ऑल-राउंडर हैं।

आईपीएल 2026 में केकेआर ने अब तक पांच मैच खेले हैं और इसमें से उसे चार में हार का सामना करना पड़ा है जबकि एक मैच नहीं हो पाया। हैरानी की बात ये है कि केकेआर ने अभी तक एक भी मुकाबला इस सत्र नहीं जीता है।

कैफ ने कहा कि टीम ने सुनील नरेन को तो रिटेन किया पर रसेल को छोड़ दिया। यहां तक कि उनको नीलामी से भी दूर रखा और अपने साथ जोड़ने के लिए उन्हें पावर कोच की भूमिका दी। आईपीएल इतिहास में पहली बार किसी टीम के सहयोगी स्टाफ में कोई ऐसा पद दिया गया है। इससे लगता है कि पावर केकेआर से ही गायब हो गयी है। । टीम अंकतालिका में सबसे नीचे खिसक गयी है।उसके पास केवल एक अंक है। वहीं अन्य टीमों के 2 या इससे ज्यादा अंक हैं। एक टीम के खाते में तो 8 अंक हो गये हैं। वहीं दूसरी नंबर की टीम के खाते में 7 अंक हैं।।

पीएसएल को आईपीएल से बेहतर बताने के प्रयास में हंसी का पात्र बन रही है पीबीसी

लाहौर। भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट प्रेमी इन दिनों अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी लीग, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल), का आनंद उठा रहे हैं। वहीं पाकिस्तान में आईपीएल से पीएसएल की तुलना का जुनून छाया हुआ है और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पीएसएल को बेहतर बताने का प्रयास कर रहा है पर इससे वह हंसी का पात्र भी बना रहे हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी अक्सर आईपीएल के ऊपर पीएसएल की श्रेष्ठता के दावे करते रहते हैं। उनका कोई भी बयान भारत या आईपीएल का जिक्र किए बिना शायद ही पूरा होता हो। हाल ही में, जब पाकिस्तान में तेल संकट के कारण पीएसएल के मैच खाली स्टेडियम में खेले जा रहे थे, और दर्शकों की अनुमति पर सवाल उठे, तब नकवी ने मीडिया से बातचीत में आईपीएल को लाने के प्रयास किये।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अहमद शहजाद ने आईपीएल बनाम पीएसएल की इस पूरी बहस की खुले तौर पर खिल्ली उड़ाई है। शहजाद ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, देखिए, कुसाल मेंडिस पीएसएल में खेल रहे हैं, प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन उनसे सवाल हो रहे हैं कि आप लास्ट टाइम छोड़कर चले गए थे, आईपीएल में चले गए थे। यार, क्या कर रहे हो? उन्होंने राइली रूसो के बयान पर भी निशाना साधा। जब उनसे आईपीएल के बारे में पूछा गया तो पीएसएल खेलते हुए आप आईपीएल की तारीफ तो नहीं कर सकते। इसलिए उन्होंने कह दिया कि वो बॉलीवुड मूवी है। क्रिकेट तो पीएसएल में हो रही है। आईपीएल तो मूवी है जो खत्म ही नहीं हो रही है।

ब्रिटेन में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए आर्सेनल के लियांड्रो ट्रोसार्ड और अन्य खिलाड़ियों के बीच ही गोल पोस्ट के करीब पहुंचे।

ऑस्ट्रेलिया में हो सकता है अगला आईपीएल सत्र

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पिछले 18 साल में लगातार आगे बढ़ने के साथ ही दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग बन गई है। इसकी आपार लोकप्रियता और वैश्विक अपील को देखते हुए, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कई बार इसके मुकाबलों को विदेशी धरती पर भी आयोजित किया है, अरब अमीरात की धरती हो या दक्षिण अफ्रीका के मैदान पर जगह इसके मुकाबले सफल रहे हैं। अब अगले सत्र में आईपीएल के ऑस्ट्रेलिया में आयोजन की संभावनएं बन रही हैं। यह कदम लीग के वैश्विक होने की दिशा में एक और मजबूत कदम होगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल स्टेडियम अगले साल मार्च में एक नियमित सत्र के आईपीएल मैच की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। एडिलेड ओवल के चेयरमैन जेमी ब्रिग्स और दक्षिण ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के प्रमुख विल रेयनर ने ये बात ही है। इस योजना पर कई हितधारकों के साथ प्रारंभिक चर्चाएँ हो चुकी हैं हालांकि बीसीसीआई से अभी तक औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया गया है। यह देखना होगा कि बीसीसीआई इस अनूठे प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया देता है। वहीं आईपीएल के बदले में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) भी चेन्नई में एक मैच आयोजित करने पर विचार कर सकती है। इससे देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को मजबूत होने की संभावना है। एडिलेड को इस संभावित आयोजन के लिए कई कारणों से उपयुक्त माना जा रहा है। मार्च का महीना ऑस्ट्रेलिया में अनुकूल मौसम प्रदान करता है, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कैलेंडर में एक खाली समय होता है, और यह सुनिश्चित करता है कि प्रशंसकों की भागीदारी सबसे अधिक हो। अब देखना है कि बीसीसीआई इस मामले में क्या प्रतिक्रिया देता है।

सीएसके ने डोसा, इडली, सांभर, चटनी गाने पर जताई नाराजगी, आरसीबी के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

चेन्नई।

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के बाद विवाद सामने आया है। सीएसके ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से आरसीबी के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

मामला 5 अप्रैल का है, जिस दिन बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई और बेंगलुरु का मैच खेला गया। इस दौरान स्टेडियम में एक गाना बजाया गया, जिसमें डोसा, इडली, सांभर, चटनी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सीएसके का आरोप है कि यह गाना उनके खिलाड़ियों और टीम पर तंज के तौर पर बजाया गया।

बीसीसीआई को पत्र लिखा

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा, आमतौर पर डीजे घरेलू टीम का समर्थन करने के लिए होते हैं। लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्थिति अलग थी। हमारे खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ खास टिप्पणियां की गईं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मामले की जांच का अनुरोध किया है।

पिछले साल जितेश शर्मा ने गाना गाया था

आरसीबी ने पिछले साल चेन्नई से मुकाबले से पहले अपने विकेटकीपर जितेश शर्मा का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे इडली-डोसा वाला गाना गा रहे थे। तब उन्हें ष्ट्रस्य फैंस ने ट्रोल किया था। हालांकि, इस पर ज्यादा विवाद नहीं हुआ था। इस गाने को संगीतकार गाना अप्पु ने बनाया था।

आरसीबी-सीएसके मैच को सदर्न डर्बी कहा जाता है

पिछले कुछ सालों में सीएसके और आरसीबीके बीच राइवलरी देखने को मिली है, जिस वजह इसे आईपीएल का सदर्न डर्बी कहा गया। हेड टु हेड में सीएसके का आरसीबी पर पलड़ा भले ही भारी रहा हो, लेकिन पिछले कुछ सीजन में बेंगलुरु ने चेन्नई पर अपना दबदबा बनाया है।

आरसीबी ने सीएसके को 43 रन से हराया

5 अप्रैल को खेले गए मैच में आरसीबी ने सीएसके को 43 रन से हराया था। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी आरसीबी ने 250 रन बनाए। यह सीजन का बेस्ट स्कोर है। जवाब में सीएसके 207 रन ही बना सकी थी।

भुवी ने 200 विकेट किए पूरे

आरसीबी के लिए टिम डेविड ने 25 गेंद में 8 छक्के लगाकर 70 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार ने 48, फिल सॉल्ट ने 46, विराट कोहली ने 28 और देवदत्त पडिक्कल ने 50 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए। अभिनंदन सिंह, जैकब डफी और करुणाल पंड्या को 2-2 विकेट मिले। भुवी ने आईपीएल में 200 विकेट पूरे कर लिए।

बेमेतरा में पोषण पखवाड़ा का आयोजन: बाल विकास और जागरूकता पर दिया गया विशेष जोर

रेवेंद्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत कार्यक्रम संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रेवेंद्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बेमेतरा में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की महत्वाकांक्षी योजना ÷पोषण पखवाड़ा÷ के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्व) के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

मस्तिष्क विकास पर केंद्रित इस वर्ष की थीम-वर्ष 2026 में आयोजित यह 8वां पोषण पखवाड़ा है, जिसका मुख्य विषय ÷जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना÷ निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के प्रारंभिक विकास, संतुलित आहार, मातृ एवं शिशु पोषण, तथा पोषण संबंधी व्यवहार परिवर्तन पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि जीवन के पहले छह वर्ष बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।

पोषा जागरूकता एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश-कार्यक्रम में स्वयंसेवकों द्वारा पोषण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां जैसे जागरूकता अभियान, चर्चा सत्र, पोस्टर प्रस्तुति एवं जनजागरूकता संदेशों का प्रसार किया गया। प्रतिभागियों को संतुलित आहार, स्वच्छता, एनीमिया नियंत्रण, कुपोषण उन्मूलन एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण संबंधी जानकारी को अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

09 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चलेगा अभियान-पोषण पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 09 अप्रैल 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक किया जाना प्रस्तावित है। इस अवधि में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं समुदाय स्तर पर अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य कुपोषण को समाप्त करना एवं समाज में पोषण के प्रति सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाना है।

कुपोषण मुक्त भारत की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक-कार्यक्रम के अंत में यह संदेश दिया गया कि कुपोषण को समाप्त करने एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। पोषण पखवाड़ा जैसे अभियान न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि समाज को एक स्वस्थ और सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भीषण गर्मी और लू से बचाव हेतु जिला प्रशासन की एडवाइजरी जारी

लू के खतरे को लेकर सतर्क रहें नागरिक, कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भीषण गर्मी और लू की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने आमजन से सतर्क रहने और स्वास्थ्य संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृतलाल रोहलेडर द्वारा पूर्व में जारी निर्देशों को पुनः दोहराते हुए नागरिकों से जागरूक रहने को कहा गया है। प्रशासन के अनुसार, अप्रैल से जून के दौरान तापमान में तेजी से वृद्धि और लू चलने की संभावना रहती है, जिससे जनसामान्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। लू लगने का मुख्य कारण तेज धूप में अधिक समय तक रहने से शरीर में पानी एवं आवश्यक खनिज, विशेषकर नमक की कमी होना है।

लू के प्रमुख लक्षण

लू लगने पर व्यक्ति को सिरदर्द, तेज बुखार, मुंह सूखना, चक्कर आना, उल्टी, अत्यधिक कमजोरी, पसीना न आना, ज्यादा प्यास लगना, पेशाब कम होना, भूख में कमी तथा गंभीर स्थिति में बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

बचाव के लिए जरूरी सावधानियां

प्रशासन ने नागरिकों को सलाह दी है कि अत्यावश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें और तेज धूप से बचें। बाहर निकलते समय सिर और कान को ढककर रखें तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। गर्मी में हल्के और सूती कपड़े पहनना लाभकारी होता है। अधिक पसीना आने पर ह्रस्र का सेवन करें और अस्वस्थ महसूस होने पर छायादार स्थान पर आराम करें। आवश्यकता पड़ने पर आरोग्य सेवा नंबर 104 पर निःशुल्क परामर्श लिया जा सकता है।

लू लगने पर तुरंत करें ये उपाय

यदि किसी व्यक्ति को लू लग जाए तो उसे तुरंत ठंडी जगह पर लिटाकर सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रखें, शरीर पर ठंडे पानी का छिड़काव करें और अधिक से अधिक तरल पदार्थ जैसे आम का पना, जलजीरा आदि पिलाएं। साथ ही, शीघ्र नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराना जरूरी है। ह्रस्र के लिए मितानिन या एएनएम से संपर्क करने की भी सलाह दी गई है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन सावधानियों का पालन कर स्वयं और अपने परिवार को भीषण गर्मी और लू के प्रभाव से सुरक्षित रखें।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 4 ट्रैक्टर एवं 10 हाईवा जब्त

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया।

खनिज अधिकारी ने बताया कि तहसील नवागढ़ अंतर्गत अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर 3 ट्रैक्टरों को जब्त कर थाना नवागढ़ के सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार तहसील शिवरीनारायण के ग्राम कनस्दा में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करते 1 ट्रैक्टर को जब्त कर संबंधित थाना के सुपुर्द किया गया है। इसके अतिरिक्त चांपा, पीथमपुर तथा जांजगीर मुख्य मार्ग पर जांच के दौरान कुल 10 हाईवा वाहनों को खनिजों के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया। सभी जब्त वाहनों को पुलिस लाइन खोखरा एवं चांपा थाना में रखा गया है।जप्त वाहनों में 3 हाईवा में खनिज चूनापत्थर (गिट्टी) तथा 7 हाईवा में रेत के अवैध परिवहन के प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

दर्ज प्रकरणों पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के अधीन अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर ने कहा है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर लगातार सघन अभियान जारी रहेगा।

देवरबीजा सेवा सहकारी समिति का निरीक्षणः प्रभारी सचिव सहला निगार ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले की प्रभारी सचिव शहला निगार बीते शुक्रवार को देवरबीजा सेवा सहकारी समिति के निरीक्षण हेतु पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने समिति में संचालित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान समिति में संचालित कार्यों, रिकॉर्ड संधारण, खाद्यान्न वितरण व्यवस्था तथा हितग्राहियों को मिलने वाली सेवाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया। प्रभारी सचिव ने पारदर्शिता, समयबद्धता एवं हितग्राहियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे। साथ ही रिकॉर्ड संधारण एवं वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति स्तर पर स्वच्छता, निगरानी एवं व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर भी बल दिया, ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान बेमेतरा कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, एसडीएम दीप्ति वर्मा, तहसीलदार मानकर, देवरबीजा के नायब तहसीलदार राजा राम तथा समिति अध्यक्ष संजीव तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रभारी सचिव को समिति की कार्यप्रणाली एवं वितरण प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी।

उर्वरक वितरण, पीएम-आशा योजना एवं स्टॉक व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव द्वारा उर्वरक वितरण एवं भंडारण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि पीएम-आशा योजना अंतर्गत खरीफ फसलों के लिए आवश्यक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को समय पर वितरण किया जाए। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि उर्वरकों के भंडारण एवं स्टॉक की स्थिति को व्यवस्थित बनाए रखने तथा आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता बनाए रखना जरूरी है। प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उर्वरकों का संतुलित वितरण किया जाए और किसी एक उर्वरक पर अनावश्यक दबाव न बनाया जाए। साथ ही उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पीओएस मशीन एवं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को उर्वरकों के सही उपयोग एवं संतुलित मात्रा के संबंध में जागरूक किया जाए, जिससे उत्पादन में वृद्धि हो सके और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो। निरीक्षण के अंत में अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पेड़ से लटकती मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सरसीवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ओडकाकन से बड़ी खबर निकलकर सामने आया है,जहां गांव के ही एक व्यक्ति की लाश पेड़ पर लटकती हुई मिली। मृतक की पहचान खूबचंद पटेल के रूप में की गई है,उम्र लगभग 37 से 38 वर्ष बताया जा रहा हैं।बाकी मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना गांव के कोटवार के खेत के पास की है,जहां ग्रामीणों ने सबसे पहले शव को पेड़ पर लटका देखा तो लोग भयभीत हो गए,फिर लाश की जानकारी ग्रामीण द्वारा पुलिस को दी गई।प्राथमिक जानकारी के अनुसार गाँव वालो ने आशंका जताते हुए बताया की मृतक काफी समय से बीमारी से परेशान था, जिसके चलते उसने कथित तौर पर फांसी लगा लिया होगा,जिससे अपनी जीवन को समाप्त कर ली होगी हालांकि की इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती फिलहाल सरसीवां पुलिस मामले की बारिकी से जांच कर रही हैं।वही मौत के सही कारणों का पता लगा

आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया गया सुपोषण चौपाल, न्योता भोज और गोद भराई कार्यक्रम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

गंजपारा वार्ड क्रमांक 11 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बीते शुक्रवार को सुपोषण चौपाल का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत न्योता भोज, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा 6 माह पूर्ण कर चुके शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार सम्पन्न कराया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद के सभापति एवं वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद विकास तम्बोली उपस्थित रहे। विशेष रूप से परियोजना की सुपरवाइजर हेमलता मानिकपुरी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रेखा पाटकर, सहायिका पूर्णिमा यादव, नर्स चमेली देवांगन, आरएचओ जलन्धर बीरझी, मितानिन मिथलेश चक्रधारी एवं वर्षा शर्मा भी शामिल हुए।इस अवसर पर पार्षद विकास तम्बोली एवं सुपरवाइजर हेमलता मानिकपुरी ने बच्चों और माताओं के साथ बैठकर न्योता भोज में सहभागिता की। बच्चों को कंपोजिट बॉक्स वितरित किए गए तथा गर्भवती महिलाओं को किट प्रदान की गई। पार्षद तम्बोली की ओर से फल एवं मिठाइयों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रेरणा स्व सहायता समूह की अध्यक्ष दीपा यादव एवं सचिव जया यादव द्वारा खीर, पूड़ी, सब्जी एवं बिस्कुट की व्यवस्था की गई। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा वार्ड के लोगों का टीकाकरण भी किया गया।कार्यक्रम के दौरान पार्षद एवं सुपरवाइजर ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। अंत में नाबालिग बच्चियों की शादी पर रोक लगाने एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।यह आयोजन क्षेत्र में कुपोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

प्रधान पाठक द्वारा नातिन की जन्मदिन और बेटी की वैवाहिक वर्षगांठ पर कराया न्यौता भोज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिंघौरी की संस्था प्रमुख सरस्वती साहू द्वारा अपने नातिन रूही की द्वितीय जन्मदिन एवं अपने बेटी की विवाह की वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर स्कूल में न्यौता भोज का आयोजन रखा गया। जिसमें बच्चों को खीर,पूड़ी,अंगूर,केला एवं मिठाई के साथ दाल,चावल और सब्जी परोसे गए। सरस्वती साहू ने बताया कि वह प्रत्येक वर्ष अपने नातिन और बेटी की इस वैवाहिक वर्षगांठ पर विद्यालय में न्यौता भोज कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे है। इस दौरान धनीराम बंजारे संकुल समन्वयक सहित रामगोपाल चंद्राकर,नुतेश्वर चंद्राकर,देवेंद्र साहू,प्रशांत बघेल,पूनम कुमार साहू, राजेश गायकवाड, किरण खरे, सरिता बंजारे,साजन वर्मा सहित समाधान कॉलेज से आए हुए छात्राध्यापक और बच्चे उपस्थित रहे।

140 करोड़ की सड़कों से बदलेगी बीजापुर की तस्वीरः

158 किमी कनेक्टिविटी, 23 नए तालाब भी बनेंगे

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। माओवाद प्रभावित रहे बीजापुर जिले को विकास की बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-04) के तहत जिले के लिए 140.82 करोड़ रुपए की लागत से 158.74 किमी लंबी सड़कों के निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की।वर्चुअल माध्यम से हुए इस शिलान्यास को जिले के लिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे दूर-दराज के गांव पहली बार पक्की सड़कों से जुड़ेंगे।

23 तालाबों की मंजूरी, गांवों में बढ़ेगा पानी और आय -÷मोर गांव मोर पानी मोर तरिया÷ योजना के तहत ÷तरिया आय का जरिया÷ अभियान में जिले में 23 नए तालाब बनाए जाएंगे। इससे जल संरक्षण के साथ ग्रामीणों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही अटल डिजिटल सुविधा केंद्र से गांवों तक ऑनलाइन सेवाएं पहुंचेंगी।

44 सड़कों का निर्माण, चार ब्लॉकों को फायदा -प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जिले में कुल 44 सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिनकी कुल लंबाई 158.74 किलोमीटर होगी। इससे दूरस्थ और अब तक कनेक्टिविटी से वंचित गांव मुख्य मार्गों से जुड़ पाएंगे।इन सड़कों के निर्माण से शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि की उम्मीद है।

भैरमगढ़ ब्लॉकः 85.60 किमी, लागत 77.75 करोड़ रुपये,-भोपालपटनम क्षेत्रः 30.28 किमी, लागत 25.45 करोड़ रुपये , उसूर क्षेत्रः 25.30 किमी, लागत 23.12 करोड़ रुपये, बीजापुर क्षेत्रः 17.56 किमी, लागत 14.50 करोड़ रुपये,

मुख्यधारा की ओर बढ़ता बीजापुर -करीब चार दशकों तक माओवाद से प्रभावित रहने के कारण जिले में आधारभूत सुविधाओं का विकास पिछड़ा रहा। अब सड़क कनेक्टिविटी के विस्तार से बीजापुर तेजी से विकास की मुख्यधारा में शामिल होता नजर आ रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने जताया आभार

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, उपाध्यक्ष पेरे पुल्लैया, सदस्य शंकरैया माड़वी, मैथ्यूस कुजूर, कलेक्टर संबित मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए इसे जिले के लिए विकास की नई शुरुआत बताया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।